

देवी अहिल्या की बेटी मुक्ताबाई की ढाई सौ साल पुरानी छत्री संवारेगा उनका परिवार

इंदौर। खरगोन जिले के महेश्वर में स्थित श्री देवी अहिल्याबाई होलकर की पुत्री मुक्ताबाई और दामाद यशवंतराव फणसे की छत्री का जीर्णोद्धार उनके इंदौर निवासी वंशजों द्वारा किया जाएगा। यह छत्री 1791 में महारानी देवी अहिल्या ने अपनी बेटी और दामाद की स्मृति में महेश्वर घाट पर बनवाई थी। मुक्ताबाई के पति यशवंत राव फणसे की बीमारी से मौत होने के बाद बेटी भी उनके साथ सती हो गई थी, जबकि अहिल्या बाई नहीं चाहती थी कि वह सती हो।भारतीय शैली में नक्काशीदार पत्थरों से निर्मित इस छत्री को देखने के लिए हाल ही में फणसे परिवार के सदस्य गए थे। उन्होंने तय किया कि छत्री का पुरातत्व महत्व है और पर्यटक भी इसे देखने आते हैं, इसलिए छत्री को संवारा जाएगा। वंशज नरेंद्र फणसे ने कहा कि छत्री के गुंबद का हिस्सा खराब हो चुका है। उसकी मरम्मत के अलावा पत्थरों को साफ किया जाएगा। इसके लिए महाराष्ट्र के आर्किटेक्टों से चर्चा की गई है। हमारी कोशिश है कि छत्री के जीर्णोद्धार से हम पूर्वजों को श्रद्धांजलि देंगे, बल्कि

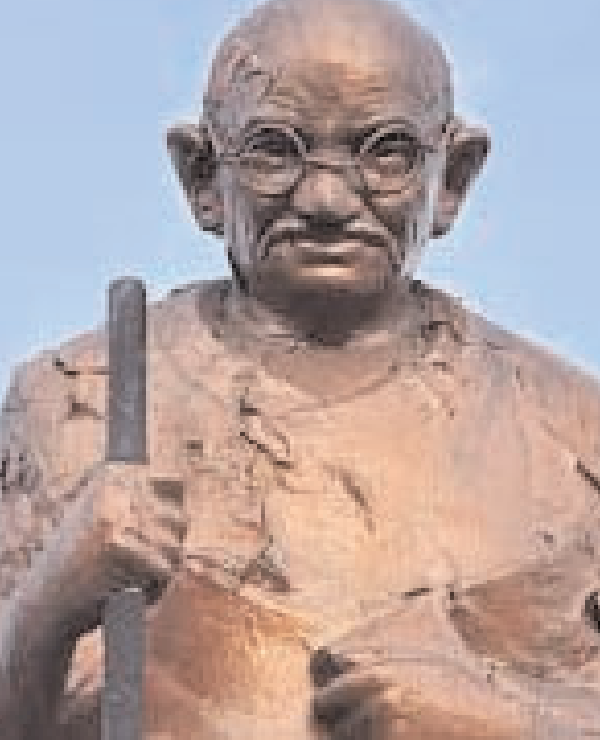


आने वाली पीढ़ियों के लिए महेश्वर की सांस्कृतिक और स्थापत्य विरासत को संरक्षित और समृद्ध करने का काम भी करेंगे।
पिंडारियों को काबू में किया था यशवंतराव फणसे ने मुक्ताबाई के पति यशवंतराव फणसे होलकर राजवंश की सेना में महत्वपूर्ण पद पर थे। देवी अहिल्या की रियासत में लूटपाट करने वाले पिंडारियों का बड़ा आतंक था। देवी अहिल्या

ने उनका जिम्मा यशवंत राव को दिया था। जिन इलाकों में लूट होती थी, वहां यशवंतराव ने अपनी टुकड़ियां रखना शुरू कर दी और जेल भी बनवाई। वहां पर पिंडारियों को कैद कर रखा जाने लगा। इसके बाद लूट की घटनाएं कम होने लगी थीं। इससे खुश होकर देवी अहिल्या ने अपनी बेटी का रिश्ता यशवंत राव से किया था।

बेटी को सती होने से नहीं रोक पाई देवी अहिल्या 1791 में यशवंतराव फणसे की मौत हो गई। तब तमाम कोशिशों के बावजूद देवी अहिल्या बाई अपनी बेटी मुक्ताबाई को सती होने से रोक नहीं पाई थीं। इसके बाद बेटी की याद में देवी अहिल्या ने महेश्वर में नों की छत्री बनवाई और नर्मदा नदी के किनारे फणसे घाट भी बनवाया था।

गांधी प्रतिमा में दरारें, अब उसे बदलने की तैयारी



इंदौर। इंदौर के रीगल तिराहे पर लगी गांधी प्रतिमा को नगर निगम बदलने की तैयारी कर रहा है। पुरानी प्रतिमा बरसो पुरानी है और उसमें दरारें भी आने लगी है। नई प्रतिमा का स्वरूप अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन निगम उसे स्वच्छता रैंकिंग में मिलने वाली प्रतिमा की तर्ज पर बना सकता है, ताकि प्रतिमा इंदौर की स्वच्छता के लिए भी याद रखी जा सके। नगर निगम को बीते सात सालों से स्वच्छता रैंकिंग के अवार्ड बतौर गांधी प्रतिमा दी जाती है।गांधी जयंती पर जब कांग्रेसजन गांधी प्रतिमा पर प्रार्थना सभा के लिए गए थे तो उनका ध्यान प्रतिमा के खराब हिस्सों पर गया। इससे उन्होंने निगम अफसरों को भी अवगत कराया। इसके बाद निगमायुक्त शिवम वर्मा ने भी महापौर परिषद बैठक में गांधी प्रतिमा बदलने का प्रस्ताव रखा।महापौर सदस्यों की मंजूरी के बाद इस पर मुहर लगेगी। नई प्रतिमा लगाने के अलावा रोटरी को भी संवारा जाएगा। रोटरी वाले हिस्से में काफी चूहे हो चुके

हैं और उन्होंने कई हिस्सों को खोखला कर दिया है। रोटरी का आकार थोड़ा छोटा भी किया जा सकता है, ताकि ट्रैफिक सुचारू रूप से चल सके। नई प्रतिमा में

चरखा चलाते हुए गांधी जी, या बैठे हुए गांधीजी दिखाई दे सकते हैं, हालांकि इस पर सहमति के बाद ही फैसला लिया जाएगा।

बैडमिंटन खेलते समय दवा व्यापारी की मौत, परिवार ने आंखें और त्वचा दान की

इंदौर। इंदौर में एक दुखद घटना सामने आई जब 45 वर्षीय दवा व्यापारी अमित चेलावत की बैडमिंटन खेलते समय अचानक हार्ट अटैक से मौत हो गई। यह हादसा बुधवार सुबह अभय प्रशाल में हुआ, जब वे रोज की तरह खेल रहे थे। खेल के दो राउंड पूरे हो चुके थे कि अचानक उनके सीने में तेज दर्द हुआ और वे एक ओर जाकर बैठ गए। साथियों ने तुरंत उनकी स्थिति को भांपते हुए सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की, जिससे वे कुछ देर के लिए होश में आ गए। इस दौरान उन्हें तुरंत सॉबिटेट टैबलेट देने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने इसे लेने से इनकार कर दिया।अमित चेलावत जैन धर्म के अनुयायी थे और नवकारसी परंपरा का पालन करते थे, जिसके अनुसार सुबह 8 बजे से पहले कुछ भी ग्रहण नहीं किया जाता। धार्मिक आस्था के कारण उन्होंने दवा लेने से मना कर दिया और जब साथियों ने जबदस्ती दवाई देने की कोशिश की तो उन्होंने इसे दो बार मुंह से बाहर निकाल दिया। इसी बीच उन्हें दूसरा दिल का दौरा पड़ा, जिससे वे बेहोश हो



गए। साथियों ने तत्काल उन्हें पास के निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अमित चेलावत के निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी आचमी अमेरिका में 5 साल

के इंटीग्रेटेड कोर्स के फाइनल ईयर में पढ़ रही है, जबकि छोटी बेटी मान्या 11वीं कक्षा की छात्रा है। अमित न केवल दवा व्यवसाय से जुड़े थे, बल्कि शेयर ब्रोकिंग का भी काम करते थे और उनका ऑफिस रैफिल टावर में स्थित था।

इंदौर। इंदौर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां शराब पीने से मना करने पर बाणगंगा थाने में पदस्थ एसआई तेश्वर इक्का के साथ चार युवकों ने मारपीट की। यह घटना मंगलवार सुबह करीब 5 बजे अरविंदो अस्पताल के पास हुई। आरोपियों ने न सिर्फ एसआई के साथ बदसलूकी की, बल्कि उन्हें जबरन माफी मांगने पर मजबूर किया और इस पूरी घटना का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में शामिल एक आरोपी जोबट जेल में है। पुलिस ने एसआई का मेडिकल परीक्षण कराया और गाड़ी नंबर के आधार पर मुख्य आरोपी विकास और उसके साथी को हिरासत में लिया है। उनके खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा और मारपीट की धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है।
जीप में शराब पीते पकड़ा तो



पीटा घटना की शुरूआत उस वक्त हुई जब थार जीप में सवार विकास और उसके तीन साथी शराब पीते हुए पकड़े गए। एसआई तेश्वर इक्का ने जब उन्हें रोका, तो वे नशे की हालत में विवाद करने लगे। इस दौरान आरोपियों ने एसआई का बैच और वायरलेस सेट भी छीन लिया और उन पर हमला कर

दिया। विकास और उसके साथियों ने एसआई को जबरन अपनी जीप में बैठाकर मजदूरों के सामने माफी मंगवाई और उन पर वसूली का आरोप भी लगाया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।
मदद के लिए गुहार लगाता रहा एसआई घटनास्थल पर मारपीट के दौरान एसआई ने वायरलेस सेट पर

कई बार मदद की गुहार लगाई, लेकिन कोई सहायता नहीं मिली। वहीं, सड़क से गुजरने वाले लोग भी रुककर उनकी मदद करने से बचते रहे। इस गंभीर मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को हिरासत में लिया है और अन्य की तलाश जारी है।

लॉ की छात्रा का रेप, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया

इंदौर। आजाद नगर पुलिस ने कानून की पढ़ाई कर रही एक छात्रा की शिकायत पर तुषार खोड़े के विरुद्ध दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और जान से खत्म करने की धमकी का केस दर्ज किया है। आरोपित भी कानून का छात्र है और उसकी 2020 में इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। छात्रा का आरोप है कि मई 2021 में तुषार उसे कार से धार स्थित एक होटल ले गया और शादी करने का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान उसने छात्रा का आपत्तिजनक वीडियो भी बना लिया। इसके बाद आरोपित ने



अलग-अलग होटलों में बुलाकर शारीरिक संबंध बनाए और धमकाकर कोरे स्टॉप पेपर पर हस्ताक्षर भी करवा लिए। रविवार को जब पीड़िता ने शादी की बात की, तो तुषार ने उसे

धमकाया और उसके पिता को फोन कर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। टीआई विजय सिसोदिया के अनुसार, इस मामले में शून्य पर कायमी कर केस धार कोतवाली पुलिस को

जांच के लिए सौंपा जा रहा है। इसी तरह, पुलिस ने एक अन्य महिला की शिकायत पर सुनील राठौर निवासी सुंदेल सतवास देवास के खिलाफ केस दर्ज किया है। शिवपुरी निवासी पीड़िता से सोशल मीडिया पर आरोपी की दोस्ती हुई थी। जब वह मायके आई तो आरोपी ने होटल बुलाकर शारीरिक संबंध बनाए। मकर संक्रांति पर पीड़िता ने यह घटना अपने पिता को बताई और मंगलवार को केस दर्ज करवाया। इसी प्रकार, एक अन्य महिला ने चंदनसिंह चौहान निवासी अल्कापुरी के खिलाफ केस दर्ज करवाया है।

एसीपी ऑफिस में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल की भी बाइक चुराई

इंदौर। इंदौर के सरवटे बस स्टैंड की पार्किंग से बाइक चोरी के फुटेज खंगालते हुए पुलिस एक चोर तक पहुंची। जब चोर को पकड़ा तो पता चला कि उसने सराफा एसीपी ऑफिस में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल की बाइक भी थाने की पार्किंग से चुरा ली थी। आरोपी के पास से हेड कॉन्स्टेबल की बाइक सहित 5 गाड़ियां मिली है। टीआई संजू कामले की टीम ने रवि पुत्र ओमप्रकाश वर्मा निवासी छोटा बागड़दा को पुलिस से पकड़ा है। आरोपी ने पिछले दिनों सरवटे बस स्टैंड से बाइक चुराई थी। करीब 150 से अधिक सीसीटीवी खंगालने के बाद



पुलिस की टीम आरोपी तक पहुंची तो उससे एक ओर चोरी का खुलासा हुआ। जिसमें उसने बताया कि उसने पुलिसकर्मी की बाइक भी चुराई थी। रवि ने छत्रीपुरा थाने के पास बने एसीपी ऑफिस के यहां पदस्थ हेडकास्टेबल अवस्थी की बाइक चुराई थी। उन्होंने थाने के पास

बाइक पार्क की थी। उसे भी रवि दूसरी चॉबी से खोलकर लेकर गया था। तब से पुलिस आरोपी का पीछा कर रही थी। इसके बाद उसने सरवटे में वारदात कर दी। पुलिस के मुताबिक रवि के ऊपर पहले के अपराध नहीं हैं। वह अपना खर्चा चलाने के लिए बाइक चोरी करता था।

इंग्लैंड का नागरिक बनकर इंदौर के युवक से ठगी

इंदौर। इंदौर के चंदन नगर में ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। जिसमें आरोपी ने वॉट्सऐप पर काल कर रुपए उगे हैं। मामले में पुलिस ने आरोपी पर साइबर पोर्टल में शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई की है। ग्रीन पार्क कॉलोनी निवासी मोहम्मद सोहेल को करीब 1 साल पहले वॉट्सऐप नंबर से मैसेज आया। विदेशी नंबर से आए मैसेज को लेकर व्यक्ति ने माफी मांगी। कहा कि गलती से उसे यह मैसेज चला गया है। उसने खुद को इंग्लैंड का नागरिक बताया।

इसके बाद दोस्ती कर चैटिंग पर बात करते रहा। उसने खुद को बिल्डर बताया। वहीं, बच्चों के साथ भी फोटो भेजी। उसने बातों में उलझाकर कहा कि 5 दिसंबर को तुम्हारा बर्थडे है। जिसमें वह उसे गिफ्ट देना चाहता है। सोहेल ने गिफ्ट की बात से इनकार किया तो उसने दोस्ती की बात करते हुए उसे लेने की बात कही। इसके बाद गिफ्ट पैकिंग के वीडियो बनाकर वॉट्सऐप पर शेयर किया। मोहम्मद सोहेल उसकी बातों में आ गया। इसके बाद अगले दिन एक कॉल

आया और कस्टम ऑफिस का बताकर कहा कि पार्सल आ चुका है। उसमें कस्टमर इयूटी के नाम पर 36 हजार की डिमांड की। इसके बाद गुगल पे से रुपए भेजे। फिर दूसरे नंबर से कॉल आया। जिसमें बताया कि पार्सल स्कैन करने पर अंदर विदेशी करेंसी मिली है। जिसमें 98 हजार का फाइन लगेगा। उसके बाद पार्सल छोड़ा जाएगा। फिर रुपए देने के बाद बताया कि पार्सल सुबह आ जाएगा। लेकिन पार्सल नहीं पहुंचा। इसके बाद दूसरे दिन फिर कॉल आया और कहा

गया कि पार्सल में काफी ज्यादा अमाउंट है। जिसमें कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान कार्रवाई रोकने के लिए एक लाख रुपए की डिमांड की गई। जिसमें उक्त रुपए भी सोहेल ने ऑनलाइन भेजे। इसके बाद आरोपियों और रुपए की डिमांड करने लगे। सोहेल ने परिचितों को बात बताई तो साइबर ठगी के बारे में जानकारी लगी। इसके बाद पुलिस अफसरों को मामले में शिकायत की। पुलिस अब उक्त मामले में कार्रवाई की गई।

गया कि पार्सल में काफी ज्यादा अमाउंट है। जिसमें कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान कार्रवाई रोकने के लिए एक लाख रुपए की डिमांड की गई। जिसमें उक्त रुपए भी सोहेल ने ऑनलाइन भेजे। इसके बाद आरोपियों और रुपए की डिमांड करने लगे। सोहेल ने परिचितों को बात बताई तो साइबर ठगी के बारे में जानकारी लगी। इसके बाद पुलिस अफसरों को मामले में शिकायत की। पुलिस अब उक्त मामले में कार्रवाई की गई।



मप्र सरकार लाएगी सोशल इम्पैक्ट बांड, चार लाख करोड़ रुपए का होगा बजट

भीपाल। मध्यप्रदेश सरकार अपने आगामी राज्य बजट में सोशल इम्पैक्ट बॉण्ड (एसआईबी) लाने की योजना में है। यह बजट लगभग 4 लाख करोड़ रुपए का होने का अनुमान है। एसआईबी के लिए लगभग 20 करोड़ रुपए का प्रावधान किया जा सकता है। यह बजट एक महीने के अंदर पेश किया जाएगा। इस बजट में पहली बार जीरो-बेड्ड बजटिंग (जेडबीबी) तकनीक अपनाई जाएगी। साथ ही, जनता के लिए बजट को समझने में आसानी हो, इसके लिए हिंदी और अंग्रेजी में एक हैंडआउट भी जारी किया जाएगा। दरअसल सामाजिक प्रभाव बॉण्ड या सोशल इम्पैक्ट बॉण्ड (एसआईबी) सरकार और

निवेशकों के बीच एक अनुबंध होता है। इसमें सरकार बेहतर सामाजिक परिणामों के लिए भुगतान करती है। जो बचत होता है, उसका एक हिस्सा निवेशकों के साथ साझा करती है। ये बांड सामाजिक लक्ष्यों को प्राप्ति पर निर्भर करते हैं। अगर लक्ष्य पूर्ण नहीं होते हैं, तो निवेशकों को कोई रिटर्न नहीं मिलता है। निवेशक अमतौर पर वे होते हैं जो वित्तीय रिटर्न और सामाजिक प्रभाव, दोनों में रुचि रखते हैं। ये बांड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) के सोशल स्टॉक एक्सचेंज (एसएसई) सेगमेंट के माध्यम से लांच किए जाएंगे। एसएसई सामाजिक उद्यमों के एक मान्यता प्राप्त एक्सचेंज



प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण और धन जुटाने की अनुमति देता है। इनमें गैर-लाभकारी संगठन (एनपीओ) और लाभकारी उद्यम (एफपीई) दोनों शामिल हैं।

करने की तैयारी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस बजट से एसआईबी को शुरू करने की तैयारी चल रही है। इन्हें सामाजिक न्याय, शिक्षा और आदिवासी कल्याण जैसे विभागों के सरकारी

प्रोजेक्ट में पेश किया जाएगा। इस
 बजट में मध्य प्रदेश पहली बार
 जरी-बेस्ड बजटिंग (जेडबीबी)
 तकनीक अपनाएगा। इसके तहत
 विभागों को सभी खर्चों को नए
 सिस्टम से सही ठहराना होगा। इसके
 परिणामस्वरूप, 1,900 से अधिक
 बजट लाइनों को सुधारा गया है।
 साथ ही अप्रयुक्त बजट मदों को
 दक्षता में सुधार के लिए चल रही
 योजनाओं में मिला दिया गया है।
 सरकार हँडआउट जारी करेगी
 बजट को और अधिक सुलभ
 बनाने के लिए, सरकार हिंदी और
 अंग्रेजी में एक हँडआउट जारी
 करेगी। यह हँडआउट जनता को
 बजट संबंधी शब्दों और प्रावधानों
 को समझने में मदद करेगा।
 सरकार को इस साल जनता से

1,500 से अधिक बजट सुझाव मिले हैं। यह बजट को और अधिक जन-हैतवी बनाने के सकारक के उद्देश्य को दशार्ता है राज्य बजट को दे दिया गया अतिम रूप मुख्यमंत्री की जापान यात्रा से पहले उन्हें डेढ़ घंटे की प्रस्तुति के बाद राज्य का बजट को लाभार्गी अतिम रूप दे दिया गया है। प्रस्तुति से पहले विभागवार चर्चाएं हुई। इसके अलावा, विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों और हितधारकों के इन्पुट लेने के लिए 23 जनवरी को एक बजट संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। मुक्त नहीं हुए हैं। लेकिन नशु मति करों, आयश्ग जोर और स्कूलों जैसे क्षेत्रों पर विचार किया जा रहा है।

पिछले साल था 3.56 लाख करोड़ रुपए का बजट पिछले साल, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, जो वित्त विभाग भी संभालते हैं, ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 3.65 लाख करोड़ रुपए का वार्षिक राज्य बजट पेश किया था। आम चुनाव के कारण, राज्य सरकार ने फरवरी में केंद्र सरकार के दृष्टिकोण का अपालन करते हुए एक लेखानुदान पेश किया था। हालांकि, इस बार अपेक्षा पूर्ण बजट पेश किया जाएगा। यह बजट कई मायनों में खास होगा, खासकर रकड़ और ईइ के इस्तेमाल के लिहाज से। देखना होगा कि यह बजट राज्य के विकास में कितना योगदान देता है।

डॉक्टर की नियुक्ति के मामले में भोपाल के सीएमएचओ को कारण बताओ नोटिस



भीषाल। संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, मध्यप्रदेश द्वारा भीषाल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएएमएचओ) डॉ. प्रभाकर तिवारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के तहत जारी किया गया है, जिसमें डॉ. तिवारी पर कार्य में लापरवाही और अपने दायित्वों के निर्वहन में असफल रहने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। एनएसयूआई ने डॉ. प्रभाकर तिवारी पर भ्रष्टाचार के आरोप

लगाते हुए उनके निलंबन की मांग है। वरिष्ठ संयुक्त संचालक की राजू निरारिया ने यह नोटिस दिया है। इसमें कहा गया कि डॉ. खर का निरस्ती आदेश जारी किए जाने के बाद भी डॉ. तिवारी द्वारा निम्न विरुद्ध संबंधित से निरंतर कार्य कराया जाना और उनका नियमित रूप से वेतन आहरण किया जा रहा है। आपके द्वारा तृट्पूण जानकारी दिए जाने के कारण डॉ. प्रोजल खर का नाम नियुक्ति निरस्त आदेश सूची में अंकित हुआ। इस प्रकार आदेशों की अवहेलना और वित्तीय अनियमितता की गई है। जिस पर आपने ने अप्रसन्नता जाहिर की है।

ऐसे में सीएमएचओ के दायित्व का निर्वहन करने में आप अक्षम साबित हुए। इससे विभाग की छवि भी धूमिल हुई है।

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि डॉ. प्रभाकर तिवारी ने विभाग को गलत जानकारी देकर डॉ. प्रंजल खरे की अवैध नियुक्ति करवाई। बाद में जब विभागीय जांच के बाद उनकी नियुक्ति निरस्त कर दी गई, तब भी उन्हें नियमित भुगतान किया जाता रहा, जो पूरी तरह न्याय विरुद्ध था। इसके अलावा, डॉ. प्रभाकर तिवारी ने अधिकारियों से मिलीभगत कर अपनी पत्नी डॉ. प्रमिला तिवारी को एनएचएम में प्रभारी संचालक बनाया, जबकि उनके खिलाफ विभाग में सैकड़ों शिकायतें लंबित हैं। रवि परमार ने कहा कि डॉ. प्रभाकर तिवारी दोषी पाए गए हैं, इसलिए उन्हें तत्काल पद से हटाया जाए और भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि भोपाल के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए एनएसयूआई इस मुद्दे को हर स्तर पर उठाएगा और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगा।

भीपाल। लोकायुक्त की पूछताछ के बाद सौरभ शर्मा और उसके दो साथियों को जेल भेज दिया गया है। वहीं, जेल में ईडी भी उससे पूछताछ कर रही है। लोकायुक्त पूछताछ में सौरभ ने कुछ उगलाला नहीं है। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। इशारों-इशारों में उमा भारती जांच एजेंसियों को निशाने पर लिया है। साथ ही मुजिरियों को पकड़ने की गुजारिश की है। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने अपने ट्वीट में परिवहन घोटाले पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि चेक पोस्ट घोटाले में कुछ लोग पकड़े गए हैं। लेकिन अगर जांच में यही साबित होता है कि सिर्फ इन्हें लोगों ने घोटाला किया है, तो मामला और भी गंभीर हो सकता है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों पर लोगों का भरोसा है। देखा यह है कि एजेंसियां इस मामले को यहीं खत्म कर देती हैं या गहराई से जांच करती हैं। असली सजा दिलाना एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती है।

उमा ने पहले भी उठाए हैं सवाल
उमा भारती ने पहले भी इस
घोशाले पर अपनी राय रखी थी।
उन्होंने कहा था कि एक सिपाही
करोड़ों रुपए लेकर भाग गया।
ऐसे में बड़े अधिकारियों और
नेताओं की क्या हालत होगी,
इसका अंदाजा लगाया जा सकता
है। उन्होंने कहा कि यह घोशाला
व्यापमं घोशाले से भी बड़ा
रहा है। उन्होंने सौरभ शर्मा को इस



मामले में एक चूहा बताया था।
 उनका कहना था कि असली
 मुजरिम यानी अजगर अभी बाहर
 आना बाकी है। उमा भारती ने
 2003 के परिवहन बिल का भी
 जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह
 बिल एक चूहे के बिल की तरह
 था, जो समय के साथ बड़ा होता
 गया। इस बिल से अभी सिरफ़
 सौरभ शर्मा जैसे चूहे ही बाहर
 निकले हैं, अजगर अभी अंदर ही
 है। उन्होंने कहा कि वे इस सिस्टम
 को सुधारना चाहती थीं, लेकिन
 उससे पहले ही उनकी सरकार
 चली गई।

नहीं लिया जा रहा है क्या इसमें मंत्री इन्वाॉल्व नहीं है ? इसकी जांच करनी चाहिए। सरकार इतने घोटाले कर रही है कि वो चाहती ही नहीं कि सदन में स्वेतपत्र और लोकायुक्त प्रतिवेदन चर्चा में आए। सिंधार बुधवार को मीडिया से विभिन्न मुद्दों पर संवाद कर सरकार को चेरा है।

सौरभ शर्मा से पूछताछ करने के लिए पहुंची ईडी आरटीओ के पूर्व कान्टेनल सौरभ शर्मा से पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम भोपाल केन्द्रीय जेल पहुंची। जेल में तीन अफसरों की टीम ने सुबह करीब 11 बजे से सौरभ से सवाल कात्ता शुरू किए। उसके इनकम सोर्स, इनोवा कार में मिले 52 किलो गोल्ड और 1 करोड़ रुपए कैश के साथ प्रॉपर्टी की जांच भी ली गई है। इसी जेल में सौरभ के सहयोगी चेतन सिंह गौगर और शरद जायसवाल भी हैं। कोहाला, इन दोनों से बुधवार को ही पूछताछ नहीं की गई। सौरभ शर्मा, उसके सहयोगी चेतन सिंह

गौर और शरद जायसवाल को मॉलवाला दोपहर में पेश किया गया था। यहां करीब एक घंटे चली सुनवाई के बाद जज आरपी मिश्रा ने तीनों आरोपियों को 17 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। जेल में तीनों आरोपियों को बंध खंड के अलग-अलग बैरक में रखा गया है। इसी मामले में पूर्व सीएम उमा भारती ने असल आरोपियों को पकड़कर सजा दिलाने की मांग की है।

चेतन और शरद से बाद में होंगे
सवाल-जवाब सूत्रों के मुताबिक,
बुधवार को सिर्फ सौरभ ने
पूछताछ की गई है। सौरभ की
प्रपोज़िट, इन्वेस्टमेंट के साथ उसकी
कंपनियों में हिस्सेदारी और
विदेशी निवेश से जुड़े मसलों को
भी ईडी ने नज़र पर रखा है।
सौरभ से मिले जवाबों के आधार
पर ईडी के अफसर चेतन सिंह
गौर और शरद जायसवाल से
अलग-अलग पूछताछ कर सकते
हैं। इसके बाद आमने-सामने
बैठकर पूछताछ और जवाबों को
क्रॉस चेक किया जा सकता है।

आयकर विभाग बना रहा
पूछताछ की रणनीति मामले में
आयकर विभाग ने सौरभ शर्मा से
पूछताछ को लेकर कोई रणनीति
फाइनल नहीं की है। एक-दो दिन
में आयकर विभाग पूछताछ संबंधी
अगला स्टेप ले लेगा। इसको
लेकर विभाग के इन्वेस्टिगेशन
डीजी सतीश गोयल अधिकारियों
से चर्चा कर प्लान को अंतिम रूप
दे रहे हैं।

पैरालिसिस ठीक करने के लिए बेटे ने पिलाया केरोसिन, मां ने दम तोड़ा

भीपाल। भीपाल में एक बेहद ही दुखद घटना घटी है। एक 32 साल के बेटे ने अपनी 48 साल की लकवाग्रस्त मां को केरोसिन पिला दिया। उसने लगा कि इससे उसकी मां ठीक हो जाएगी। इसके उलट मां की हालत और बिगड़ गई और एक हफ्ते बाद अस्पताल में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बेटे पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। यह घटना गंगा नगर झुग्गी बस्ती में हुई।

मृतक महिला मंगला बामनेरे एक गृहिणी थीं। उनका बेटा उमेश बामनेरे कबाड़ का काम करता है। मंगला को 28 जनवरी को लकवा मार गया। उन्हें गौतम नगर के नारियलखेड़ा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उमेश को किसी ने बताया कि केरोसिन पिलाने से लकवा ठीक हो जाता है। इसे सच मानकर उसने अपनी मां को केरोसिन पिला दिया।



इसके बाद मंगला की हालत बिगड़ने लगी। उमेश उन्हें एक निजी अस्पताल ले गया, जहां से उन्हें एम्स रेफर कर दिया गया। एम्स में एक हफ्ते के इलाज के बाद सोमवार को मंगला की मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने मंगला के बयान दर्ज किए। उसने बताया कि उसके बेटे ने उसे कोरोनासिन्

पिलाया था। मंगला के बयान के आधार पर कमला नगर पुलिस ने उमेश के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी हेड कॉन्स्टेबल कमलेश यादव मामले की जांच कर रहे हैं। अंधविश्वास और जानकारी के अभाव में बेतेरे के इस कदम ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है।

**कारपेंटर ने फांसी लगाई,
मौत-किराए के मकान में
अकेला रहता था युवक**

भीषाल। ऐसाभाग थांना इलाके में रहने वाले युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर दी। वह मूल रूप से हरद्वारा का रहने वाला था। सुभाष कॉलोनी में अकेला मिलवार के कमरे में रहता था। घटना क्रियाएँ देर रात की हैं। बुधवार को हमीदिया अस्पताल की मचुरी में पीएम कराया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। विनोद विश्वकर्मा(42) पिता हरनारायण विश्वकर्मा, निवासी सी सेक्टर सुभाष कॉलोनी अशोक गार्डन कारपेटरी का काम करता था। अविवाहित था, मंगलवार देर रात उसने अपने कमरे में फांसी लगा दी। पड़ोसी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। घटना स्थल पर पुलिस को बना हनु खाना भी मिला है। विनोद आठ साल से भीषाल में किराए पर काम कर लेकर रह रहा था। एसआई अमकार सिंह ने बताया कि घटना स्थल से सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट में क्या लिखा है राइटिंग समझ नहीं आ रही है। इसी के साथ सुसाइड नोट पकें हुए खाने के करीब खुदा था, जो पानी लगने के कारण गीला होने से गल भी चुका था। एसएसपर्ट्स से नोट की जांच जांचाई जागी।

भोपाल पहुंचे प्रदेशभर के किसान मंत्रालय घेरने नहीं गए, धरना खत्म

भीपाल। बिजली के बढ़े रेट और फल के कम दाम जैसे कई मुद्दों पर भी पट्टुंचे प्रदर्शन कर के किसानों ने भी खत्म कर दिया है। किसान मंत्रालय के घेराव करने वाले थे, लेकिन इससे पहले ही डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने कहा, मुझे पता लगा कि किसान वल्लभ भुवन आ रहे हैं तो सरकार उनके पास आ गई। डिप्टी सीएम किसानों की सारी मांगों को पूरा कर की बात कही। इसके बाद किसान शिकायती आगेवंदित से भरा झोला डिप्टी सीएम को सौंप दिया। डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने किसानों को संबोधित हुए कहा कि प्रश्न सरकार समर्थ-समर्थ पर किसानों के हितों निर्णय लिए हैं। जो भी शिकायती मिले हैं, उनका जल्द समाधान होगा।



जाएगा। किसान हमारे हैं, हम आपसे अलग नहीं हैं। हम आपके साथ खड़े हैं। इसके बाद किसानों ने शिकायती आवेदनों से भरा झोला डिप्टी सीएम को सौंप दिया। सरकार अच्छे रेट के नाम पर झुनझुना पकड़ा देती है भारतीय किसान संघ के बैनर तले जुटे किसान लिंक रोड नंबर-

1 स्थित ऑफिस के सामने धरना दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार फसलों के अच्छे रेट के नाम पर हर बार झुनझुना पकड़ा देती है। संघ के मध्य भारत प्रांत अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान ने कहा, प्रदेश में किसान राजस्व विभाग के फौतौ नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, बटांकन, नक्शा सुधार जैसे कार्यों में की जा रही

लूट से परेशान हो गया है।
पटवारी को रिश्त देनी पड़ती है हरदा
 से आए किसान ने कहा, मेरे पास सात आ
 एकड़ जमीन है। सागौन लगाया था, उसे
 काटने की अनुमति नहीं मिल रही है।
 सूर्या कलेक्शन में पांच साल से रूपए
 जमा कर रह हैं। इसकी रसीदें भी हैं,
 लेकिन अब पैसा नहीं मिल रहा है।
 फसलों के रेट अच्छे नहीं मिलते। सभी
 काम रिश्त देने के बाद होते हैं। पटवारी
 से एक ज्विड़िया बनवाना हो तो रिश्त
 देना पड़ता है। इसमें तो सब बड़े-बड़े
 लोग भी शामिल हैं। किसान का कहना
 है कि जब तक वोट नहीं चलते तब तक
 सब बात सुनते हैं। अब वोट देकर राजा
 बना दिया, तो उन्होंने हमें अपने हाल पर
 छोड़ दिया। ऐसे ही काम हो रहे होते तो
 बच्चों को वहां छोड़कर यहाँ थोड़े ही
 आते। हमें इसमें मजा थोड़े ही आता है।

अकाउंटेंट से 2 लाख रुपए की लूट करने वाले तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

भोपाल। भोपाल में सोमवार को बंसल वन के अकाउंटेंट से 2 लाख रुपए की लूट करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वारदात की प्लानिंग बंसल वन में ही काम करने वाले एक पूर्व ड्राइवर ने रची थी। मामले में एक आरोपी फरार है। जिसकी तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी अवधेश तोमर और उनकी टीम ने 35 बंदमशों से पूछताछ भी की। इस आधार पर मोहम्मद नौशाद, अमिर बेग और तलाह खान को गिरफ्तार किया गया। नौशाद और तलाह बंसल वन में ड्राइवर थे। जीजल चोरी के आरोप में नौशाद को हटा दिया गया। उसने अकाउंटेंट को सबक सिखाने के लिए लूट की साजिश रची। इसमें नौशाद को साथ तलाह ने दिया। दोनों को पता था अकाउंटेंट दीपेश जोशी हर शनिवार को रकम लेकर अशोक गाईन जाते हैं। एक जनवरी की शाम बंदमशों ने इस वारदात को अंजाम दिया था। बंदमशों से पहले बंदमशों ने हबीबगंज और अशोक गाईन के बीच ऐसी जगह चुनी जहां आसपास सीसीटीवी कैमरा नहीं है। लूट की तारीख एक जनवरी की तय हुई। उस दिन बंसल वन में बाहर नौशाद, अमिर, इमरान और अमन बाइक लेकर बाहर खड़ा था। अकाउंटेंट के निलवले की सूचना अंदर मोजूद तलाह ने दी। अब पुलिस को इमरान और भय्यू की तलाश है। इमरान का आपराधिक रिकॉर्ड बताया जा रहा है। जांच में सामने आया कि लूट के बाद बेग इमरान के पास था। रकम बंटने में उसने होशियारी दिखाई और खुद ज्यादा रकम ले गया।

संपादकीय

अवैध प्रवासियों की बलपूर्वक वतन वापसी पर सवाल

सुनहरे सपनों की आस में घर-खेत दांव पर लगाकर व एजेंटों को लाखों रुपए देकर अमेरिका पहुंचे युवाओं ने सपने में नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपराधियों की तरह वापस उनके देश भेजा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी युवा शक्ति दुनिया के विभिन्न देशों में लुट-पिटकर अपमानजनक स्थितियों का सामना कर रही है। कभी उन्हें पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधी बंधक बनाकर ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं, तो कभी उन्हें धोखे से बिचौलिए रूसी सेना में भर्ती करवा देते हैं। कभी उन्हें इसाइल-हमास के भयावह युद्धग्रस्त इलाके में काम की तलाश में पहुंचा दिया जाता है।

ट्रंप प्रशान ने सैन्य विमान से भारतीय प्रवासियों को भारत वापस भेजा है। अमेरिका अपनी सीमा पर कड़ी निगरानी कर रहा है और आब्रजन कानूनों को सख्ती से लागू कर रहा है। दरअसल यह विडंबना ही है कि पूरे विश्व को लोकतांत्रिक मूल्यों, मानव अधिकारों व आदर्श जीवन मूल्यों की नसीहत देने वाले अमेरिका ने विभिन्न देशों के कथित अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई को बलपूर्वक अंजाम दिया है। सुनहरे सपनों की आस में घर-खेत दांव पर लगाकर व एजेंटों को लाखों रुपए देकर अमेरिका पहुंचे युवाओं ने सपने में नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपराधियों की तरह वापस उनके देश भेजा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी युवा शक्ति दुनिया के विभिन्न देशों में लुट-पिटकर अपमानजनक स्थितियों का सामना कर रही है। कभी उन्हें पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधी बंधक बनाकर ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं, तो कभी उन्हें धोखे से बिचौलिए रूसी सेना में भर्ती करवा देते हैं। कभी उन्हें इसाइल-हमास के भयावह युद्धग्रस्त इलाके में काम की तलाश में पहुंचा दिया जाता है। लाखों भारतवासियों ने अपनी मेधा व पसीने से अमेरिका की प्रतिष्ठा पर चार-चांद लगाए हैं। अंतरिक्ष में इतिहास रचने वाली कल्पना चावला से लेकर भारतवंशी कमला हैरिस, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से अमेरिका में उपराष्ट्रपति पद तक हासिल किया। यह विडंबना ही है कि मूलतः प्रवासियों द्वारा बसाए देश अमेरिका में आज सेना के बल पर बेहतर भविष्य की तलाश में आए प्रवासियों को खदेड़ा जा रहा है। मैक्सिको की सीमा पर दीवार खड़ी करके सेना तैनात की जा रही है। यह विडंबना ही कि प्रधानमंत्री मोदी की वाशिंगटन यात्रा से कुछ दिन पहले एक अमेरिकी सैन्य विमान से दो सी से अधिक कथित अवैध भारतीय प्रवासियों को जबरन वापस भारत लाया गया है। निश्चित रूप से संकीर्णतावादी सोच का पक्षधर ट्रंप प्रशासन दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत के साथ वैसा व्यवहार नहीं कर सकता जैसा कि वह अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरास, पेरू के प्रवासियों के साथ कर रहा है। हालांकि, एक अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत, अमेरिका में गए सर्वाधिक अवैध अप्रवासियों वाले देशों में शुमार है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा से पूर्व जबरन की गई निर्वासन उड़ान विसंगतियों व विडंबनाओं की ही झोतक है। हालांकि, भारत ने कूटनीतिक प्रयासों से अवैध अप्रवासन पर समयानुकूल निर्णय लेकर दोनों देशों में संबंध सामान्य बनाने का प्रयास किया। दरअसल, अमेरिका की हालिया यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमीनी स्तर पर बेहतर कूटनीतिक प्रयास किए। उन्होंने ट्रंप प्रशासन को इस बात को लेकर आश्चस्त किया कि भारत अपने भटके हुए नागरिकों की वैध वापसी के लिए तैयार है। निस्संदेह, भारत ने समझदारी से टकराव टालने का सार्थक प्रयास किया ताकि मोदी-ट्रंप की मुलाकात से पहले दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट न घुले। निश्चय ही तुनक मिजाज ट्रंप व उनके प्रशासन से इस मुद्दे पर अड़ने में कोई समझदारी भी नहीं थी। ऐसी ही स्थिति पर कोलम्बिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेद्रो द्वारा अपने प्रवासी नागरिकों से भरे अमेरिकी सेना के जहाज को न उतरने देने की घोषणा करके अपने लिए अपमानजनक स्थितियां पैदा कर दी थी। पहले उन्होंने निर्वासित लोगों को ले जाने वाली सैन्य उड़ानों को स्वीकार करने से मना कर दिया था। लेकिन फिर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कोलंबिया पर टैरिफ और प्रतिबंध लगाने की धमकी के बाद उन्होंने यू-टर्न ले लिया। अब वही कोलंबिया के राष्ट्रपति प्रवासियों से तुरंत घर आने और सामाजिक संपदा के निर्माण में योगदान का अनुरोध कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत के पास अमेरिका से निर्वासन के लिये चिन्हित अपने करीब अठ्ठारह हजार कथित अवैध प्रवासी नागरिकों के पुनर्वास को लेकर कोई योजना है? सरकार कैसे सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में ये लोग फिर किसी आप्रवासन का दुस्साहस नहीं करेंगे? निश्चित रूप से समय की मांग है कि बेईमान ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी कार्रवाई की जाए, जो युवाओं को सुनहरे सपने दिखाकर अवैध रूप से अमेरिका व अन्य देशों में भेजते हैं।

अवैध आप्रवासन के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रतिक्रिया के रूप में अवैध अप्रवासी भारतीयों का पहला जत्था भारत आ गया है। यह कार्रवाई ट्रंप के उस चुनावी वादे के संदर्भ में की गई है, जिसमें उन्होंने अमेरिका में एक करोड़ से अधिक अवैध अप्रवासियों के रहने के दावे किए थे। चूंकि चुनाव में उन्हें इसका फायदा मिला था, इसलिए वे अपने आधार वोट-बैंक को संतुष्ट करने के लिए अवैध अप्रवासियों की वतन-वापसी करा रहे हैं। आकलन है कि करीब 18 हजार भारतीयों को वापस भेजा जाएगा, जो गैर-कानूनी रूप से वहां गए हैं।

अवैध आप्रवासन के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रतिक्रिया के रूप में अवैध अप्रवासी भारतीयों का पहला जत्था भारत आ गया है। यह कार्रवाई ट्रंप के उस चुनावी वादे के संदर्भ में की गई है, जिसमें उन्होंने अमेरिका में एक करोड़ से अधिक अवैध अप्रवासियों के रहने के दावे किए थे। चूंकि चुनाव में उन्हें इसका फायदा मिला था, इसलिए वे अपने आधार वोट-बैंक को संतुष्ट करने के लिए अवैध अप्रवासियों की वतन-वापसी करा रहे हैं। आकलन है कि करीब 18 हजार भारतीयों को वापस भेजा जाएगा, जो गैर-कानूनी रूप से वहां गए हैं। हालांकि, अनुमान यह भी है कि अमेरिका में लगभग 7.25 लाख भारतीय अवैध तरीके से रहते हैं, लेकिन इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। पिछले साल भी करीब 1,100 भारतीय को वापस भेजा गया था, लेकिन इस साल आंकड़ा काफी बड़ा है। मगर भारत का रुख स्पष्ट है। अगर ये लोग गलत तरीके से अमेरिका गए हैं और उनको वापस भेजा जाता है, तो उन्हें खुले दिल से स्वीकार किया जाएगा। नई दिल्ली का यह रवैया इसलिए भी है, क्योंकि अवैध आप्रवासन भारत में भी एक गंभीर मसला है और हमारा मानना है कि इससे संगठित अपराध को मदद मिलती है। यही कारण है कि साल 2023 में जब अवैध आप्रवासन का मसला राज्यसभा में उठा, तब यह जरूर कहा गया कि कई देश अपने यहां मौजूद अवैध अप्रवासी भारतीयों की संख्या तब तक नहीं बताते, जब तक कि उनको निर्वासित नहीं किया जाता, लेकिन इसकी जानकारी भी दी गई कि देश में



30 अक्टूबर, 2023 तक 2,925 ऐसे एजेंटों की पहचान कर ली गई थी, जो गलत तरीके से भारतीयों को विदेश भेजते हैं। अवैध आप्रवासन का शायद ही कोई समर्थन करता है। भारत ने भी अमेरिका को आश्चस्त किया है कि वह इस मामले में उसका पूरा साथ देगा। बीते दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की फोन पर बातचीत हुई थी, तब उसमें भी यह मसला उठा था। हालांकि, अमेरिका में मौजूद अवैध अप्रवासियों में भारत की हिस्सेदारी बमुश्किल तीन प्रतिशत है और इसकी तुलना में अमेरिका के पड़ोसी देश, मैक्सिको या लातीन अमेरिका से बड़ी संख्या में लोग गैर-कानूनी रूप से अमेरिका जाते हैं। मगर भारतीय नागरिकों पर इसलिए कार्रवाई की गई है, क्योंकि बीते कुछ वर्षों में हमने यह आंकड़ा बढ़ते देखा है, जो चिंता की वजह है। इस पूरे प्रकरण के दो पहलू स्पष्ट हैं। एक, अमेरिकी राष्ट्रपति घरेलू राजनीति के दबाव में ऐसा कर रहे हैं और अपने नागरिकों को यह एहसास दिलाना चाहते हैं कि उन्होंने चुनाव में जो कहा था, उसे पूरा करने की ताकत रखते हैं। पद संभालते ही जिस तरह से उन्होंने ताबड़तोड़ फैसले किए, उसका संदेश भी कमोबेश यही था। हां, यह अलग बात है कि उनके कुछ फैसले अब अदालती पेच में फंस गए हैं और मुश्किल है कि उन्हें अपने कदम पीछे भी खींचने पड़ जाएं। मगर इसका दूसरा पहलू कहीं ज्यादा चिंतनीय है। अवैध अप्रवासियों के

खिलाफ इस कदर कार्रवाई बताती है कि आप्रवासन के खिलाफ अमेरिका, यूरोप सहित कई देशों में नकारात्मक माहौल बनने लगा है। बेशक, कार्रवाई गैर-कानूनी रूप से रहने वाले विदेशी नागरिकों पर हो रही है, लेकिन इसका असर कानूनी तरीके से रहने वाले लोगों पर भी पड़ सकता है। ऐसी घटनाओं का इस्तेमाल आप्रवासन के खिलाफ माहौल बनाने में किया जा सकता है। वैसे भी, संरक्षणवाद की हवा पूरी दुनिया में बहने लगी है और सभी देश अपने संसाधनों पर अपने नागरिकों का ही हक चाहने लगे हैं। भारत से लोग कहां-कहां गैर-कानूनी रूप से जाते हैं, यह कहना मुश्किल है, लेकिन माना यही जाता है कि वे अमेरिका, यूरोप, कनाडा और मध्य-पूर्व (पश्चिम एशिया) जाना ज्यादा पसंद करते हैं। पिछले साल ही मार्च में यह खबर आई थी कि वर्ष 2023 में 1,000 से अधिक भारतीयों ने गैर-कानूनी रूप से ब्रिटेन की सीमा में घुसने के लिए जीवन तक को दांव पर लगा दिया था और छोटी-छोटी नौकाओं के सहारे इंग्लिश चैनल पार करने की कोशिश की थी। ऐसा उन्होंने नौकरी पाने और बेहतर जीवन की तलाश में किया था। आंकड़े बताते हैं कि साल 2023 में ब्रिटेन में शरण मांगने वाले भारतीयों की संख्या 5000 से ज्यादा हो चुकी थी। ये संकेत हैं कि विदेश जाने के लिए भारतीय हर मुश्किल झेलने को तैयार जान पड़ते हैं, क्योंकि उनको लगता है कि बेहतर जीवन वहीं मिल सकता है।

हालांकि, गैर-कानूनी रूप से विदेश जाने वालों का शोषण भी खूब होता है। पिछले दिनों ही यह खबर आई थी कि किस तरह काम की तलाश में रूस पहुंचे भारतीयों को यूक्रेन के खिलाफ जंग में झोंक दिया गया था। मानव तस्करी, अंग व्यापार, नशे के कारोबार जैसे गैर-कानूनी कामों में भी अवैध अप्रवासियों का काफी इस्तेमाल किया जाता है। चूंकि अपने देश में ऐसा कोई व्यवस्थित ढांचा नहीं है, जो इस तरह की आवाजाही को प्रभावी तरीके से रोक सके, इसलिए चूक खूब हो रही है। सरकार भले ही बार-बार आग्रह करती रहती है कि गैर-कानूनी एजेंटों के झांसे में लोग न फंसे, लेकिन कबूतरबाजी और डंकी रास्ते अपने देश की हकीकत बने हुए हैं। ताजा प्रकरण से भारत सरकार पर भी यह दबाव बनेगा कि वह देश में रह रहे अवैध नागरिकों को वापस भेजने की पहल करे। आज कोई भी सियासी दल शायद ही अवैध आप्रवासन के खिलाफ कार्रवाई का विरोध करेगा। असम में भाजपा की जीत का एक बड़ा कारण वहां अवैध आप्रवासन के कारण जनसांख्यिकीय में आया बदलाव ही था। बावजूद इसके सीएए या एनआरसी जैसी पहलों को हम वास्तविक रूप से जमीन पर नहीं उतार पा रहे, जबकि अवैध अप्रवासियों संसाधनों पर काफी ज्यादा बोझ पड़ता है। बहरहाल, माना यह भी जा रहा है कि इस मामले में अमेरिका का साथ देकर भारत ने अन्य

मुद्दों पर बातचीत के रास्ते खोल लिए हैं, विशेषकर टैरिफ के मामले में। मगर अब सवाल यह है कि इन लोगों को यहां कैसे समायोजित किया जाएगा? इनके लिए शायद ही कोई विशेष नीति बने, क्योंकि ये तो गए थे गैर-कानूनी रूप से ही। मगर हां, अवैध अप्रवासियों का दबाव हमारे तंत्र पर न पड़े, इसके लिए यह चिंतन होना ही चाहिए कि भारतीय अब क्यों बड़ी संख्या में विदेश जाने लगे हैं, फिर चाहे इसके लिए उन्हें गलत रास्ता ही क्यों न चुनना पड़े? हालांकि इस वापसी के पीछे एक और बड़ा फायदा होने वाला है। पंजाब पुलिस ने लगभग 100 कुख्यात अपराधियों की पूरी हिस्ट्री तैयार कर ली है, जिनमें से 20 के अमेरिका में छिपे होने की आशंका है। अब यह संभावना बढ़ गई है कि अमेरिका से अपराधियों के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया तेज हो सकती है। एल रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अमेरिका में पंजाब के कई कुख्यात अपराधी छिपे हुए हैं। इनमें सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के आरोपी अनमोल बिश्नोई (गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई), पुलिस प्रतिष्ठानों पर ग्रेनेड हमलों में शामिल हैप्पी पासिया, ड्रग तस्कर सखन भोला, और गोपी नवांशहरिया जैसे नाम शामिल हैं। इस लिहाज से अमेरिका द्वारा अवैध प्रवासियों को वापस भेजने की शुरुआत इस दिशा में भी मददगार साबित हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अवैध प्रवासियों और अपराधियों पर सख्ती की नीति ने पंजाब पुलिस के लिए प्रत्यर्पण की प्रक्रिया को आसान बनाने का मौका दिया है। पुलिस के काउंटर-इंटेलिजेंस यूनिट, एंटी-नार्कोटिक्स टास्क फोर्स और एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स पहले से ही इन अपराधियों की फाइलें तैयार कर रही थीं। अब यह जानकारी अमेरिकी एजेंसियों को सौंपने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, हम अवैध प्रवासियों की वापसी को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं हैं, लेकिन उन ट्रैवल एजेंट्स की जांच करेंगे, जिन्होंने इन लोगों को गैरकानूनी तरीके से विदेश भेजा। प्रत्यर्पण और डिपोर्टेशन की प्रक्रिया के लिए रेड कॉर्नर नोटिस जैसी औपचारिकताएं जरूरी हैं, जिन पर तेजी से काम किया जा रहा है।

पापमुक्ति एवं मोक्षप्राप्ति से भी गहन है कुंभ का मर्म

कुंभ का शब्दार्थ है- घड़ा अर्थात कलश। कुंभ का जीवनार्थ है- काया व मन को पंचतत्त्वों के प्रत्यक्ष स्पर्श में लाकर आत्मसाधना की ओर अग्रसर होना। कुंभावधि में जल नामक तत्त्व गंगा, यमुना व सरस्वती के संगम पर अमृतोन्मुखी हो उठता है। कुंभ के वृहद स्वरूप महाकुंभ में जलतत्त्व के अमृत संपर्क में आकर आत्ममुखी होने का अवसर है महाकुंभी आयोजन। गत तेरह जनवरी से प्रारंभ हुई यह आस्थायात्रा 26 फरवरी 2025 तक चलेगी। आरह पुराणों से होते हुए चार वेदों तथा अर्संबद्ध रूप में 108 व मुख्यतः 13 उपनिषदों में समाहित पंचांग स्थिति (तिथि, वार, नक्षत्र, योग तथा करण/नभ, पृथ्वी, वायु, जल तथा अग्नि) द्वारा शुभाशुभ समय के निर्धारण के उपरांत नियत महाकुंभ आयोजन की पौराणिक कथा मूलतः विष्णु पुराण में पुरोल्लिखित हुई थी। इसके अनुसार, महर्षि दुर्वासा के श्राप द्वारा स्वर्ग ऐश्वर्य, धन, वैभव इत्यादि से रहित हो गया था। फलतः इंद्रादि देवता शक्तिहीन हो गए। सहायतार्थ देवताओं ने भगवान विष्णु की शरणागति की। भगवान ने उन्हें असुरों के साथ मिलकर समुद्र मंथन का उपाय बताया। भगवान ने उन्हें बताया कि मंथन से अमृत प्राप्त होगा, जिसका पान करके वे सभी असुर हो जाएंगे। असुर राजा बलि को देवताओं ने यह युक्ति बताई। वह भी अमरत्व के लोभवश समुद्र मंथन हेतु तैयार हो गया। देवासुरों ने वासुकि नाग की रस्सी बनाकर मंदराचल पर्वत की सहायता से सागर मथना प्रारंभ किया। परिणामस्वरूप एक-एक कर 14 रत्न निकले। इनमें हलाहल विष, कामधेनु गाय, उच्चैःश्रवा अश्व, ऐरावत गज, कौस्तुभ मणि, कल्पवृक्ष, रंभा नामक अप्सरा, देवी



लक्ष्मी, वारुणी अर्थात मदिरा, चंद्रमा, पारिजात वृक्ष, पांचजन्य शंख, भगवान धन्वन्तरि तथा अमृतकुंभ सम्मिलित थे। इसी अमृत का पान करने दानव परस्पर छल-बल करने लगे। इस पारस्परिक संघर्ष में वे अमृतकुंभ लेकर यहां-वहां दौड़े। दौड़ाभागों में कुंभ से अमृत की बूंदें छलककर प्रयागराज, नासिक, उज्जैन एवं हरिद्वार में गिर पड़ीं। जिस क्रम में वे जहां गिरीं, वहीं उस स्थान पर समयक्रमानुसार छह वर्ष में अर्द्धकुंभ एवं बारह वर्षों में एक बार कुंभ का आयोजन होता है। तत्कालीन देवासुरों के विशाल अस्तित्व के अनुरूप सृजित अमृत की बूंदें आज के युग के मानवों हेतु नदी के समान ही हैं। प्रायः 12 वर्ष के समयचक्र में होने वाले कुंभ की समयवाधि में बृहस्पति, सूर्य व चंद्रमा एक साथ एक दिशा एक स्थिति में

विद्यमान होते हैं, किंतु बृहस्पति जब मकर राशि में तथा सूर्य व चंद्रमा अन्य शुभ स्थानों पर विराजित होते हैं, तब महाकुंभ का धरायण होता है। खगोलीय एवं ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार 12 कुंभ घटियों के बाद 144 वर्ष का योग बनता है। इस बार यही संयोग है। कलियुग में एक व्यक्ति की दो पीढ़ियों को ऐसा अवसर नहीं मिल पाता है। जिन व्यक्तियों की आयु इस समय तीस वर्ष से अधिक है, उनमें से अधिसंख्य के दादाओं और पिताओं के जीवनकाल में महाकुंभ की स्थिति उत्पन्न ही नहीं हुई। कुंभ के पौराणिक, प्राकृतिक, आध्यात्मिक और दार्शनिक अर्थ असीमित हैं। इन अर्थों को व्यक्तिगत योग चेतना के माध्यम से ही अनुभव किया जा सकता है। कुंभ का मर्म पापमुक्ति एवं

मोक्षप्राप्ति से भी गहन है। यदि व्यक्ति के अंदर प्राकृतिक उत्सव में संचित होकर जीवन के प्रति अंतरदृष्टि खोलने की उक्तट इच्छा है तो उसके लिए महाकुंभ सर्वोत्तम अवसर है। प्रकृति के पंचतत्त्वों में से एक है नीर। प्रत्यक्ष दिखाई देतीं नीरवाहिनी नदियां गंगा, यमुना व अदृश्य रूप में विद्यमान सरस्वती के संगमस्थल के प्रति आस्था, कुतज्ञता एवं सम्मान प्रदर्शित करने का विशाल, भव्य व अद्भुत सम्मेलन संसार में कहाँ है! इस पावन समय में यह स्थल अलौकिक शोभा एवं सौंदर्य के साथ चमत्कृत है। इस शुभघड़ी में तीनों सिरिताओं के अमृतमय नीर द्वारा क्षयमान शरीर को चेतना प्रदान कर, मंगल स्नान कर और निज क्षमता से ध्यान धर कर व्यक्ति के मन में मौन होने, आध्यात्मिक होने का

जो विचारबल प्रस्फुटित होता है, वास्तव में वही महाकुंभ का वास्तविक प्रसाद है, जिसे प्राप्त करने करोड़ों की संख्या में एकत्र होते रहेंगे। यह विचित्र एवं आश्चर्यचकित करने वाला अनुभव है कि दुनिया के कई देशों की कुल जनसंख्या एक करोड़ भी नहीं है, किंतु महाकुंभ में अब तक इस लेख के लिखे जाने तक करोड़ों श्रद्धालु संगम वाविरवाह में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। महाकुंभ विशुद्ध धार्मिक, आध्यात्मिक, प्राकृतिक एवं दार्शनिक आयोजन है। इसमें किसी भी अनावश्यक बाह्य विचार की आवश्यकता नहीं है। यह आत्मज्ञान प्राप्ति का प्राकृतिक उत्सव है। यह वहां अनुभव कर सकता है, जो रिक्त मन से कुंभ का भागीदार बनता है। पूर्वाग्रह से मुक्त होकर तथा उदार हृदय के साथ इस उत्सव का आत्मसाक्षात्कार करने व निश्चय ही स्वर्गसम अनुभूतियां प्राप्त होती हैं। करोड़ों-करोड़ देशी-विदेशी लोगों की विशुद्ध आस्था को उनके पवित्र आचरण, अप्रतिम हाव-भाव, पंचतत्त्वों के प्रति उनकी सर्वांगीण भंगिमा के माध्यम से भलीभांति अनुभूत किया जा सकता है। इस पौराणिक संयोजन द्वारा श्रद्धालुओं में भूतना आत्मिक प्रभाव उत्पन्न होता है कि वे इतिहास व प्रकट जीवन के कष्टकंटकों को भी पुण्यस्पर्श समझने लगते हैं। महाकुंभ द्वारा प्रज्वलित आत्मदीप्ति में जीवन की वास्तविकता वही देख सकता है तथा इससे स्थायी मुक्ति की अभिलाषा भी वही वरण कर सकता है, जो आस्थावान होकर संगम तट के अंश-अंश को अंगीकार करता है। यह दुर्लभ गति अप्रतिम है। इस गति में प्रवाहित होने का आत्मभाव विराट है। यह अपरिभाषित है। यह

केवल और केवल अनुभव के वशीभूत है। महाकुंभ के पौराणिक उपक्रमों- जैसे शाही स्नान, अखाड़ा स्नान, साधु-संतों के स्नान, मौनी अमावस्या एवं वसंत पंचमी के स्नान के सामानांतर इस मेले में उपस्थित होकर जो तटस्थ प्राकृतिक ऊर्जा सामान्य व्यक्ति को प्राप्त हो रही है, उसकी प्रेरणा अद्भु है। महाकुंभ का आस्थावान अंग केवल इसलिए नहीं बनना है कि काया संगम में डुबकी लगाएगी और व्यक्ति का लोक-परलोक सुधर जाएगा, बल्कि आवश्यकता कुंभगत प्राकृतिक प्रभाव को आत्मसात करने की है, ताकि जीवन-मृत्यु के मध्य घूर्णन करते मानवीय अस्तित्व के अंतिम शीर्ष लक्ष्य की ओर उन्मुख होने का आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त हो। मनुष्य का जीवन केवल भौतिक संघर्ष द्वारा ही परास्त नहीं होता। यह वैचारिक एवं मानसिक संघर्ष द्वारा भी अधि सीमा तक दुष्प्रभावित होता है। इन दोनों ही संघर्षों में आत्मबल बृहद सहायक भूमिका में होता है। आत्मबल का जीवंत एवं शाश्वत स्रोत अध्यात्म है। अध्यात्म की श्रेष्ठ उपलब्धियां जिन माध्यमों से साकार होती हैं, महाकुंभ की पारंपरिक उत्सवधर्मिता उनमें सर्वश्रेष्ठ है। साधु-संतों, ऋषियों-मुनियों की अंतरदृष्टि में महाकुंभ त्याग, तपस्या, साधना, ध्यान, भक्ति, आस्था, प्रकृति के प्रति गहन समर्पण, लोक-समाज के लिए व्यक्तिगत क्षमता के अनुसार दायित्व भावना के उदय तथा अंततः जीवन-मृत्यु के अबूझ कालचक्र से स्थायी मुक्ति प्राप्त करने का आध्यात्मिक उपाय है। कुंभ एक गहन आध्यात्मिक विस्तार है।



कटनी में डाबर इंडिया लिमिटेड के मजदूरों ने किया विरोध

डाबर इंडिया लिमिटेड पर दुर्व्यवहार और अनिश्चित रोजगार का आरोप

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे डाबर इंडिया लिमिटेड कंपनी के सैकड़ों मजदूर ने लिखित शिकायत देते हुए कहा कि उन्हें कंपनी के मैनेजर द्वारा अपमानित करते हुए उनके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। वहीं सभी मजदूरों से सिर्फ साल में तीन माह तक ही काम ले उन्हें बाहर कर दिया जाता है। डाबर इंडिया लिमिटेड मजदूर युनियन संघ पडुवा प्लान्ट के मजदूरों ने आरोप लगाते हुए बताया कि डाबर इंडिया लिमिटेड प्लांट पडुआ कटनी जो कि सन् 1995 से संचालित है जिसमें ऑवला से कुछ सामग्रियों को बनाने का कार्य कराया जाता है, जो कि लगभग साढे पाँच माह चलाया जाता था लेकिन विगत 03 वर्षों से सिर्फ 3 माह चलाकर बंद कर दिया जाता है। डाबर इंडिया मजदूर युनियन पडुआ के समस्त श्रमिक जो लगभग 150 श्रमिक हैं

उनका जीवन-यापन और गुजारा इसी फैक्ट्री में काम करने से चल रहा है। उनके द्वारा बार-बार फैक्ट्री प्रबंधक से मांग रखी है कि फैक्ट्री में अन्य प्रोडक्ट का काम शुरू कराया जाय और कार्यरत श्रमिकों के नियमित रोजगार की व्यवस्था की जावे ताकि हम श्रमिकों का जीवन-यापन सुचारू रूप से चल सके। हमने अनेकों बार फैक्ट्री प्रबंधकों से रोजगार बढ़ाये जाने की माँग करते आ रहे हैं और वर्तमान प्रबंधक डी0 के0 शर्मा से निवेदन किया और विगत वर्ष में कलेक्टर महोदय व श्रम पदाधिकारी महोदय को आवेदन दिया था लेकिन वर्तमान प्रबंधक ने यह कह कर समझौता करा लिया था कि मैनेजमेंट से बात कर रहा है कोशिश कर रहा है, कुछ न कुछ रोजगार बढ़ाने का प्रयास करेंगे। लेकिन पहले के प्रबंधकों की तरह वर्तमान प्रबंधक ने भी काम निकालकर रोजगार के लिये कुछ भी नहीं किया और जो प्लांट

विगत वर्ष पहले 08 अक्टूबर से चलकर लगभग 15-20 मार्च तक चलता था वे अब सिर्फ 20 अक्टूबर से 30 जनवरी को ही बंद कर दिया गया है और वर्तमान प्रबंधक डी. के. शर्मा द्वारा श्रमिकों से अभद्र व्यवहार किया गया। सभी मजदूरों ने कोरेक्ट कार्यालय पहुंच एक लिखित शिकायत दी है और मांग की है कि डाबर इंडिया लिमिटेड प्लांट पडुआ कटनी को 12 माह चलाये जाने या गुजारा भत्ता दिलाये की मांग करते हुए फैक्ट्री मैनेजर के खिलाफ कार्यवाही की जाए जो मजदूरों से अभद्रता करते है। वही आगामी सीजन में अगर हमारी नियमित रोजगार या गुजारा भत्ता की माँग पूरी नहीं होती है, तो हम समस्त श्रमिक फैक्ट्री परिसर में अनिश्चित कालीन हड़ताल पर बैठने की लिये मजबूर होंगे जिसकी संपूर्ण जवाबदारी फैक्ट्री प्रबंधक व प्रशासन की होगी।

राकेश मोटवानी हमले मामले में कटनी पुलिस को बड़ी सफलता

व्यापारी पर हमले का मुख्य आरोपी राहुल बिहारी गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी के कोतवाली थाना क्षेत्र में विगत 30 जनवरी को माधव नगर के युवा व्यवसाई रॉकी उर्फ राकेश मोटवानी के ऊपर जानलेवा हमला करने वाले मुख्य आरोपी राहुल बिहारी को माधव नगर पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त कर ली है। माधव नगर पुलिस ने राहुल बिहारी को पकड़ने के लिए कई टीमें लगाई थी और उन्हीं टीमों में से एक टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। रॉकी के ऊपर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस अधीक्षक ने जिन चार बदमाशों के ऊपर नगद



10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था, उनमें से केतु रजक एवं राहुल बिहारी को पकड़ा जा चुका है। अभी भी पुलिस की गिरफ्त में विनय विरवानी, करण

बिहारी के अलावा अन्य एक अपराधी हैं। फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम में सक्रिय हैं जिले के अलावा जिले के बाहर भी लगातार तलाश की जा रही है।

सिद्ध बाबा आश्रम मऊ में संपन्न हुआ तीन दिवसीय संकीर्तन

संत समागम भंडारा

श्रीनिवास मिश्रा । सिटी चीफ मैहर, जिला मैहर के मऊ में स्थित प्राचीनतम सिद्ध बाबा आश्रम में सिद्ध बाबा,गुरु महाराज जी की असीम कृपा से पंडित रामनिवास उरमलिया, ऊषा उरमलिया , समस्त उर्मलिया परिवार के सानिध्य में दिनांक 3,4 एवं 5 फरवरी को त्रिदिवसीय श्री रामनाम संकीर्तन एवं संत समागम नित 24 घंटे भंडारा का आयोजन किया गया। इस महाकुंभ के पावन अवसर पर पुण्य रूपी कार्य में सभी स्नेही भक्त जनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई उनमें प्रमुख रूप से पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं विधायक श्री अजय सिंह राहुल भैया, सांसद सतना,मैहर विधायक श्री श्री कांत चतुर्वेदी, धर्मेंश घई, कमलेश सुहाने, प्रभात द्विवेदी, श्री श्री 1008 श्री राम गोपाल दास जी, श्री महंत त्यागी जी, फलाहारी आश्रम,खुरई आश्रम महंत, दिलीप मिश्रा सतना,अरुण तिवारी सतना खमरिया, बबलू तिवारी,सुरेन्द्र तिवारी, विनय त्रिपाठी, पवन आहुलवालिया, दीप नारायण एडवोकेट, दिनेश शुक्ला, प्रदीप तिवारी एड अध्यक्ष अमरपाटन,आर के सिंह, वरिष्ठ पत्रकार रवींद्र सिंह मंजू सर,शरद अग्रवाल, रमा रमण प्रताप सिंह, करइया, प्रमोद सोनकर, प्रमोद भूषण सिंहपुर,उदय राज सिंह, गोलू अग्रवाल,गणेश तिवारी,सोन् तिवारी,आदि सहित संत समाज,भक्तगण,सिद्ध बाबा के



अनुयाई गण, पत्रकार गण ,ग्रामवासी, जिले के समस्त महानुभाव ,नेतृत्व गण, पार्षद गण, पारिवारिक जन आदि सभी लोगों की भक्तिरूपेण आस्था के साथ इस तीन दिवसीय चल रहे महोत्सव, में अपनी सहभागिता दर्ज कराकर अपने आप को गौरावित किया। रवींद्र सिंह मंजू सर मैहर की कलम कहती है कि वास्तव में सिद्ध बाबा आश्रम में गत कई वर्षों से निरंतर कुछ न कुछ भक्ति स्वरूपा कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहते है चाहे वह विशालतम 21 हजार की कलश यात्रा भक्ति मय महिला की पीली साड़ी के साथ विशाल शोभा यात्रा हो, चाहे श्री राम कथा हो, अखंड रामायण हो,राम कथा हो, गुरु अमृत वाणी हो आदि सभी का

रसपान सिद्ध बाबा आश्रम में समय समय पर किया जाना अपने आप में अलौकिक सारगर्भित है। नित तीन दिन सिद्ध बाबा आश्रम में 56 प्रकार के भोजन लगाए गए। एवं नित 24 घंटे का जो प्रसाद रूपी भंडारा भक्त गणों को प्रदान किया गया वह निश्चित ही सराहनीय है। तीन दिवसीय ग्रामीण जनों ने लगे मेला का भी आनंद उठाया। निश्चित ही इस त्रिदिवसीय श्री रामनाम संकीर्तन एवं संत समागम का जो कार्यक्रम किया गया उसकी सभी लोगों ने सराहना की। आए हुए समस्त लोगों का आभार उरमलिया परिवार ने किया । सच्चे मन से बोलिए सिद्ध बाबा आश्रम की जय हो। समस्त संत समागम गुरु महराज की जय हो।

कटनी में बढ़ते अपराधों पर व्यापारियों का फूटा गुस्सा

विधायक संदीप जायसवाल ने पुलिस को घेरा, दी कटनी बंद की चेतावनी

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी के माधव नगर के युवा व्यापारी के साथ हुई मारपीट लूट और शहर की छीनी हुई अमन शांति को लेकर मुड़वारा विधायक संदीप जायसवाल के निवास के सामने कटनी के समस्त व्यापारियों मंडलों ने एक जुट होकर विरोध प्रदर्शन किया।सभी ने अपनी अपनी पीड़ा को प्रकट किया। जिसमे विधायक संदीप जायसवाल ने कटनी पुलिस अधिकारियों के सामने तीखे सवालों का प्रहार किया गया। वही कटनी में बढ़ रहे अपराधों के पीछे खुद को भी दोषी ठहराते हुए कहा कि शहर की जनता और व्यापारी अपने बच्चों को सट्टा से दूर रखे और अपराधियों द्वारा मांगी गई फिरीती को न दे और सभी एक जुट हो अपराधियों का सामना करे वह खुद उनके साथ खड़े मिलेंगे। 30 जनवरी की रात्रि माधवनगर निवासी युवा व्यासाई राकेश मोटवानी को कोतवाली थाना क्षेत्र में हिस्ट्रीशीटर अपराधी राहुल बिहारी के साथियों ने एक साथ जानलेवा हमला करते हुए कीमती समान लेकर फरार हो गए थे



जिसके दूसरे दिन माधवनगर के रहवासी और व्यारियों ने काम बंद कर धरने पर बैठ गए थे। लामबंद हुए सभी व्यापारियों का समर्थन करने पहुंचे बीजेपी के मुड़वारा विधायक संदीप जायसवाल पहुंचे और जमकर पुलिस को फटकार लगाते हुए पांच दिन के अंदर सभी अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए यह चेतावनी भी दी थी यदि जल्द ही अपराधी नहीं पकड़े जाते तो वह पांचवें दिन से अनिश्चित कालीन पूरा कटनी शहर बंद रखेंगे। इन पांच दिनों में कटनी पुलिस ने मुख्य आरोपी राहुल

बिहारी सहित अन्य 3 आरोपियों को पकड़ लिया और फरार अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। लेकिन पांचवें दिन विधायक संदीप जायसवाल ने अपने घर के बाहर एक विशाल जनता का दरबार लगाया जिसमें शहर के हजारों व्यापारी और कई संघ के लोग पहुंचे और शहर में बढ़ रहे अपराधों के बारे में जिक्र किया। इस दरबार में कटनी जिले के पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन एडिशनल एसपी,ओर सीएसपी के साथ पहुंचे जहां हजारों को संख्या में एकत्रित व्यापारियों और शहर

की जनता के सामने जिले में पढ़ रहे अपराधों को गिनवाया और शहर में राहुल बिहारी की दहशत से अवगत करते हुए कहा कि यदि जिले में इसी तरह चलता रहा तो एक राहुल बिहारी तो अरेस्ट हो चुका है लेकिन आने वाले समय में कई राहुल बिहारी पैदा होंगे। जिले के हर थाना क्षेत्र में स्मैक, गांजा, अवैध उत्खनन जिसमे खुद जिले का कुख्यात अपराधी राहुल बिहारी में पीछे कुछ माह से शामिल है जिसका विरोध करने पर उनके द्वारा उन्हें मरने की धमकी तक दी जाती है, इस सभी समस्याओं से पुलिस अधीक्षक से अवगत कराते हुए कहा कि शहर में अपराधियों कमी लाने का प्रयास जारी रहे ओर अपराधियों को संरक्षण देने वालो पर कार्यवाही जरूर करे। वही कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन ने जनता के सामने कहा कि युवा व्यापारी से हुई मारपीट के मामले में मुख्य राहुल बिहारी समेत अन्य तीन आरोपी को अरेस्ट कर लिया गया और जल्द भी अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार जिले में चलाया जा रहा सेफ विलक अभियान साइबर अपराध से बचाव के लिए आमजन को किया जा रहा जागरूक



सुशिल सोनी । सिटी चीफ अनूपपुर, भोपाल पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले में इंटरनेट सुरक्षा हेतु सेफ विलक अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य आमजन को साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी देना और डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना है। थाना क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन अभियान के तहत जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पुलिस टीम स्कूलों, कॉलेजों, सार्वजनिक स्थानों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोगों को साइबर अपराध के प्रकारों और उनसे बचने के उपायों के बारे में जागरूक कर रही है। साइबर अपराधों से बचाव के लिए महत्वपूर्ण सुझाव 1. सुरक्षित पासवर्ड का उपयोग करें - मजबूत और यूनिक पासवर्ड बनाएं तथा उसे किसी से साझा न करें। 2. अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें - किसी भी अनजान लिंक या

संदिग्ध ईमेल पर क्लिक करने से पहले उसकी सत्यता जांच लें। 3. सोशल मीडिया पर सतर्क रहें - अपनी निजी जानकारी सार्वजनिक न करें और फ्रॉड कॉल्स व मैसेज से बचें। 4. ऑनलाइन लेन-देन में सावधानी बरतें - केवल विश्वसनीय वेबसाइटों और ऐप्स के माध्यम से ही भुगतान करें। 5. साइबर ठगी की सूचना तुरंत दें - किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी का शिकार होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें और नजदीकी पुलिस थाने/साइबर सेल को सूचित करें। पुलिस की अपील जिला पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इंटरनेट का उपयोग करते समय सतर्कता बरतें और किसी भी संदेहास्पद गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस अभियान के माध्यम से पुलिस साइबर अपराधों पर रोक लगाने और डिजिटल दुनिया को सुरक्षित बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

छत्तीसगढ़ में बर्ड फ्लू का खतरा कानन पेंडारी जू में अलर्ट, मांसाहारी जानवरों के आहार में बदलाव

राजीव खरे । सिटी चीफ (छग) रायपुर, छत्तीसगढ़ में बर्ड फ्लू का खतरा बढ़ने के साथ ही बिलासपुर के कानन पेंडारी जूलॉजिकल पार्क में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। पशु विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए विशेष सावधानियां बरतने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (छि) ने बर्ड फ्लू के संभावित प्रसार को देखते हुए कानन पेंडारी जू में बाघ, तेंदुआ और शेर जैसे मांसाहारी जानवरों के आहार में चिकन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। बर्ड फ्लू के

संक्रमण से बचाव के लिए चिड़ियाघर प्रशासन ने मांसाहारी जानवरों के आहार में बदलाव किया है। अब इन जानवरों को चिकन के बजाय भैंस, बकरी और अन्य मांसाहारी विकल्प प्रदान किए जा रहे हैं। इसके साथ ही, चिड़ियाघर के पक्षी अनुभाग में विशेष निगरानी रखी जा रही है, और सफाई एवं कोटाणुशोधन के उपायों को सख्ती से लागू किया गया है। चिड़ियाघर के अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में किसी भी जानवर में बर्ड फ्लू के

लक्षण नहीं पाए गए हैं, लेकिन एहतियात के तौर पर सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। चिड़ियाघर आने वाले आगंतुकों को भी निर्देशित किया गया है कि वे पक्षियों के संपर्क में आने से बचें और चिड़ियाघर के नियमों का पालन करें। बर्ड फ्लू के बढ़ते खतरे को देखते हुए राज्य के अन्य हिस्सों में भी पशु विभाग ने अलर्ट जारी किया है और पोल्ट्री फार्मों में निगरानी बढ़ा दी गई है। इस प्रकार, छत्तीसगढ़ में बर्ड फ्लू के संभावित खतरे को देखते हुए सभी



संबंधित विभाग और संस्थान सक्रिय हैं और आवश्यक सावधानियां बरत रहे हैं। जनता से अपील की गई है कि वे किसी भी मृत पक्षी की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें और स्वयं उनसे दूर रहें।

नर्मदा महोत्सव के द्वितीय दिवस मां नर्मदा की गई भव्य महाआरती

महाआरती में शामिल हुए राज्य मंत्री श्री दिलीप जायसवाल

सुशिल सोनी । सिटी चीफ अनूपपुर, नर्मदा महोत्सव के द्वितीय दिवस सायंकाल नर्मदा घाट के दक्षिणी तट पर पुण्य सलिला माँ नर्मदा की मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल, विधायक

पुष्पराजगढ़ श्री फुंदेलाल मार्को, डीआईजी शहडोल जोन सविता सुहाने, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक श्री मोतीउर रहमान, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा तथा पुरोहितों द्वारा महाआरती की गई। इस

दौरान स्वास्तिवाचन, हर-हर नर्मदे और नर्मदाष्टकम् के श्लोकों की गूँज के बीच पूरे विधि-विधान से पुरोहितों की मौजूदगी में माँ नर्मदा की पूजा-अर्चना की। इस दौरान अपार जन समूह भी महा आरती में सहभागिता निभाई।

लेजर लाइट शो के माध्यम से मां नर्मदा की महिमा का किया गया व्याख्यान महाआरती के ? पूर्व में लेजर लाइट शो के माध्यम से मां नर्मदा के उद्गम तथा महिमा का व्याख्यान किया गया। जिसमें बताया गया कि भगवान शंकर

मैकल पर्वत में लगभग 84 हजार वर्ष तक तपस्या कर रहे थे, इसके पश्चात उनके कंठ से अमृत की एक बूंद धरती पर गिरी और मां नर्मदा का जन्म हुआ, जिसे आज अमरकंटक में नर्मदा उद्गम कहते हैं। इसी प्रकार विस्तार से नर्मदा का पूरा वृतांत बताया गया।

मैकल पर्वत में लगभग 84 हजार वर्ष तक तपस्या कर रहे थे, इसके पश्चात उनके कंठ से अमृत की एक बूंद धरती पर गिरी और मां नर्मदा का जन्म हुआ, जिसे आज अमरकंटक में नर्मदा उद्गम कहते हैं। इसी प्रकार विस्तार से नर्मदा का पूरा वृतांत बताया गया।



कान पकड़ कर उच्च शिक्षा मंत्री ने लगाई उठक-बैठक

स्वतंत्रता की शताब्दी वर्ष तक भारत को विश्वमंच पर सिरमौर बनाने में सभी की सहभागिता आवश्यक-परमार

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, उच्च शिक्षाए तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दरसिंह परमार ने जिले के शुजालपुर स्थित मां शारदा सीएम राज्ञ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित पूर्व विद्यार्थी मिलन समारोह में सहभागिता कर विद्यार्थी जीवन के अपने संस्मरण पूर्व विद्यार्थियों के साथ साझा किए। इस दौरान मंत्री ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए कान पकड़कर उठक-बैठक भी लगाई। मंत्री परमार ने कहा कि इस विद्यालय का अपना अलग इतिहास रहा है, इसलिए मैं व्यक्तिगत रूप से इस विद्यालय को ऐतिहासिक विद्यालय मानता हूं। इस विद्यालय में पिछले कई दशकों में विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षकों ने अध्यापन कर, विद्यालय की प्रतिष्ठा में उत्तरोत्तर वृद्धि की है। परमार ने पूर्व विद्यार्थियों के साथ संवाद कर अपनी विद्यालयीन जीवन से जुड़े विविध संस्मरणों को साझा किया। सम्मेलन के दौरान संबोधित करते हुए मंत्री परमार ने कहा कि पिछले कार्यकाल में स्कूल शिक्षा मंत्री के रूप में मुझे विद्यालयीन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने का अवसर मिला। इस दौरान हमने इस विद्यालय में सरस्वती पूजन की परम्परा को आरम्भ किया, इसकी निरंतरता बनाए रखना अब वर्तमान एवं भविष्य के विद्यार्थियों की जिम्मेदारी है। परमार ने कहा कि छात्र जीवन में हम दोहरी शिक्षा और महंगी शिक्षा को लेकर कटाक्ष करते थे। पिछले कार्यकाल में इस नैरेटिव को बदलने का मौका मिला। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में हमने सीएम राज्ञ योजना के अंतर्गत सीएम राज्ञ विद्यालय स्थापित किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लागू



होने के बाद से ही, प्रदेश में शिक्षा में आमूलचूल और व्यापक परिवर्तन हो रहे हैं। मध्यप्रदेश नए संकल्प के साथ भारत केंद्रित शिक्षा और भारतीय दर्शन से समृद्ध शिक्षा की ओर सतत् आगे बढ़ रहा है। शिक्षा में व्यापक परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में, राज्य सरकार ने सीएम राज्ञ योजना के अंतर्गत विद्यालय स्थापित किए हैं। निर्धनता, अब शिक्षा अर्जित करने में बाधा नहीं बन सकेगी। निर्धन अभिभावक का दर्द समझकर ही सीएम राज्ञ योजना अंतर्गत विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। अब सभी वर्ग के विद्यार्थी समान रूप से गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ शिक्षा अर्जित कर रहे हैं। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण में भारतीय दृष्टि एवं चिंतन से समृद्ध शिक्षा प्रदान करने की दिशा में व्यापक रूप से कार्य हो रहा है। जब भारत विश्वगुरु कहलाता था तब प्रकृति और संस्कृति पर आधारित शिक्षा गुरुकुलों में मिलती थी। बच्चों को रटाया नहीं सिखाया जाता था। उसी भारतीय ज्ञान परम्परा से समृद्ध शिक्षा देने की दिशा में कार्य हो रहे हैं। अब बच्चों को सीखने पर आधारित शिक्षा दी जारी है।

हमने पूर्व प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों को पुस्तकों, होमवर्क एवं बस्तों के बोझ से मुक्त किया है। पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन में विभिन्न शहरों से आए अनेक उद्योगपति, शिक्षक, सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पूर्व विद्यार्थियों ने अपने विद्यालयीन संस्मरणों को साझा किया। इस दौरान पूर्व विद्यार्थी विद्यालयीन संस्मरणों को याद करते कान पकड़कर उठक बैठक लगाते, क्लास रूम में टेबल बजाकर गाने गाते भी नजर आए। सभी ने अपने शिक्षकों को याद करते हुए अमर रहे के नारे लगाए। कार्यक्रम में 67 साल बाद स्कूल आने वाले पूर्व छात्र भी शामिल हुए और 85 वर्षीय बुजुर्ग छात्र भी लकड़ी का सहारा लेकर अपने पुराने साथियों से मिलने पहुंचे। ज्ञातव्य है कि मां शारदा सीएम राज्ञ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शुजालपुर का पहला हाई स्कूल है, जिसकी स्थापना 1931 में श्रीराम मंदिर के पीछे हुई थी। इसे लाल स्कूल के नाम से जाना जाता है। 1957 में वर्तमान सीएम राज्ञ स्कूल भवन में कक्षाएं शुरू हुईं। इस विद्यालय में उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने भी वर्ष 1979 में अध्ययन किया।

स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य के लिए स्वास्थ्य विभाग का अहम रोल -जिलाधिकारी मनीष बंसल कायाकल्प अवार्ड योजना में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर एसबीडी जिला अस्पताल में आयोजित हुआ सम्मान समारोह



गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में एसबीडी जिला अस्पताल में कायाकल्प अवार्ड योजना 2023-24 में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने सीएमओ, सीएमएस सहित चिकित्सकों एवं अन्य स्टाफ को भी सम्मानित किया। डीएम मनीष बंसल ने कायाकल्प अवार्ड योजना 2023-24 में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों एवं स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि ये बड़ी खुशी की बात है और ये गर्व करने वाली बात है हमारे जनपद के अस्पताल को अच्छा कार्य करने पर पूरे प्रदेश में पहली रैंक आई है। इसमें जो धनराशि प्राप्त हुई है जिसमें कुछ आपको सम्मान के रूप में मिला है। इसलिए आप सब प्रेरित होकर और बेहतर कार्य करें। उन्होंने कहा कि किसी भी जिले में स्वास्थ्य विभाग का महत्वपूर्ण योगदान होता है। कोविड के दुखदायी समय में हमने विभिन्न चुनौतियों का सामना किया।

उस समय सभी चिकित्सकों, नर्स एवं स्टाफ ने अपनी चिंता न करते हुए समाज की सेवा की वो काबिले तारीफ है। उसी के परिणामस्वरूप देश की सबसे बड़ी जनसंख्या वाले हमारे उत्तर प्रदेश ने उस समय की चुनौतियों से लड़ते हुए सफलता प्राप्त की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग परिवार के सदस्य जो चाहें वो कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी हमारे सामने काफी चुनौतियां हैं। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि आमजनमास स्वस्थ होगा तो आने वाली पीढ़िया शारीरिक एवं मानसिक रूप स्वस्थ होगी तो वे आने वाली समस्याओं का आसानी से सामना कर पाएंगी। इसके लिए आपको एक अहम रोल निभाना होगा जिससे आने वाली पीढ़ियां स्वस्थ और मजबूत हों। उन्होंने कहा आप इस भावना के साथ कार्य करें कि आपकी वजह से जनपद या प्रदेश के किसी परिवार का भविष्य सुरक्षित हो सकेगा। इस तरह कार्य करें कि जब आपके रिटायरमेंट या ट्रांसफर का समय आए तब लोगों को आपके कार्य की वजह से कमी

महसूस हों। आज का ये सम्मान समारोह आप सभी की मेहनत का ही नतीजा है। उन्होंने इसी तरह सेवा भाव से कार्य करते रहें और आने वाले समय में और अवार्ड जीतें। ये अवार्ड जनपद के बाकी अस्पतालों के लिए प्रेरणा है अतः वो भी कायाकल्प के तहत बेहतर कार्य करें और जनपद को आगे पहुंचाएं। मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन ने बधाई देते हुए कहा कि ये अवार्ड सभी के प्रयास से प्राप्त हुआ है। उन्होंने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इसी तरह अच्छा कार्य करते रहे और भविष्य में भी जनपद का नाम करें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 प्रवीण कुमार ने समस्त चिकित्सकों एवं स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि जनपद के लिए ये बड़ी उपलब्धि है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 रामानंद ने कायाकल्प के तहत मिली उपलब्धियों को विस्तार से बताया। इस अवसर पर अपर निदेशक स्वास्थ्य, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक महिला चिकित्सालय डॉ0 इंद्रा सिंह, जिला चिकित्सालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

छत्तीसगढ़ में सियासी घमासान

चरणदास महंत के बयान से गरमाई राजनीति, भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

राजीव खरे । सिटी चीफ (छा) रायपुर, छत्तीसगढ़ की राजनीति में हाल ही में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के एक बयान ने हलचल मचा दी है। अंबिकापुर में मीडिया से बातचीत के दौरान महंत ने कहा था कि आगामी विधानसभा चुनाव टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में लड़ा जाएगा और कांग्रेस फिर से सरकार बनाएगी। इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस पर नाराजगी से प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महंत पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और केसी वेणुगोपाल से मिलते रहते हैं। यदि उन्हें इस तरह की घोषणा करने का अधिकार दिया गया है, तो इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। बघेल ने यह भी जोड़ा कि पार्टी में इस प्रकार की घोषणाएं हाईकमान ही करता है। टीएस सिंहदेव ने भी महंत के बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा कि ऐसे निर्णय पार्टी हाईकमान द्वारा लिए



जाते हैं और महंत का बयान स्थानीय स्तर के संदर्भ में हो सकता है। उन्होंने इस मुद्दे को यहीं समाप्त करने की सलाह दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने महंत के बयान को कांग्रेस के भीतर चल रहे सत्ता-संघर्ष और गुटिय खींचतान का प्रतीक बताया। उन्होंने कांग्रेस की विचारधारा को भ्रष्टाचार-केंद्रित

बताते हुए कहा कि पार्टी नए नेताओं की तलाश में रहती है जो जनता से लूट कर सकें। देव ने यह भी आरोप लगाया कि भूपेश बघेल के कार्यकाल में प्रदेश में भयंकर भ्रष्टाचार हुआ है और अब कांग्रेस भी बघेल से किनारा कर रही है। बाद में, चरणदास महंत ने अपने बयान से पलटते हुए कहा कि उनके बयान को गलत संदर्भ

में लिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी में नेतृत्व से संबंधित निर्णय हाईकमान द्वारा लिए जाते हैं और उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया था जो इस प्रक्रिया के विपरीत हो। इस घटनाक्रम ने छत्तीसगढ़ की राजनीति में एक बार फिर से हलचल पैदा कर दी है, जहां कांग्रेस के भीतर नेतृत्व को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

मंडलायुक्त द्वारा जनपद में बनाए गए मदर न्यूबोर्न केयर यूनिट का किया उद्घाटन

मण्डलायुक्त अटल कुमार राय ने की जिलाधिकारी द्वारा एमएनसीयू की पहल की प्रशंसा



गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, मण्डलायुक्त अटल कुमार राय जिला महिला चिकित्सालय एवं सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर बनाए गए एमएनसीयू (मदर न्यूबोर्न केयर यूनिट) का उद्घाटन जिला महिला चिकित्सालय में किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष बंसल, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 प्रवीण कुमार और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक महिला चिकित्सालय डॉ0 इंद्रा सिंह भी उपस्थित रही। इसके बाद उन्होंने एमएनसीयू में जाकर भर्ती महिलाओं से बातचीत कर उनका हाल जानते हुए उपलब्ध सुविधाओं की भी जानकारी ली। मण्डलायुक्त अटल कुमार राय ने जनपद में इस पहल को शुरू करने के लिए जिलाधिकारी मनीष बंसल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके द्वारा किये गए प्रयास सराहनीय है। इस सुविधा के अन्तर्गत माँ एवं शिशु दोनों की देखभाल अच्छे से की जाएगी जिससे दोनों के स्वास्थ्य को बहुत लाभ मिलेगा। जनपद में समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं जिला महिला चिकित्सालय को एमएनसीयू (मदर न्यूबोर्न केयर यूनिट) से संतुष्ट किया गया है। एमएनसीयू वार्ड में नवजात शिशु को मां के साथ बेहतर से बेहतर सुविधाएं दी जाएंगी, जो नवजात शिशु को नया जीवन देने का कार्य करेंगी। उन्होंने चिकित्सकों एवं वार्ड में तैनात स्टाफ को जच्चा व बच्चा का विशेष ख्याल रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया

कि जनपद में नवजात शिशु मृत्यु दर को कम करने और माँ एवं शिशु को एकसाथ रखते हुए उनके स्वास्थ्य को बेहतर करने के लिए मुहिम प्रारंभ की गई है। जिसके तहत जिले के सभी सीएचसी और जिला महिला चिकित्सालय में एमएनसीयू और सीएनसीयू वार्ड बनाए गए हैं। जिसमें जच्चा और बच्चा को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। एमएनसीयू वार्ड में नवजात शिशु को मां के साथ केएमसी देते हुए बेहतर तरीके से उपचार किया जाएगा, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी। एमएनसीयू वार्ड निर्माण में कम्प्यूटरी एम्पावरमेंट लैब (सीईएल) का वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग लिया गया है। डीएम मनीष बंसल ने बताया कि मदर न्यू बोर्न केयर यूनिट (एमएनसीयू) वार्ड में नवजात शिशु को मां के साथ-साथ उपचार कराया जाएगा। जनपद में बनाए गए एमएनसीयू वार्ड को विशेष सुविधाओं के साथ तैयार किया गया है, जहां मां के साथ ही नवजात शिशु को प्रशिक्षित स्टाफ नर्स, चिकित्सक द्वारा उपचार दिया जाएगा। जिसमें नवजात शिशु के अनुसार तापमान रखा जाएगा। जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण भी किया गया और वहां उपस्थित मरीजों एवं तीमारदारों से हाल जाना। अवगत कराना है कि जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा बनाई गई रणनीति को मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन एवं सीएमएस महिला चिकित्सालय द्वारा कार्यान्वित किया गया।

माटीकला उत्पादों के प्रति जागरूकता एवं उद्यमियों को नवाचार से परिचित कराने के लिए बलियाखेडी ब्लॉक में आयोजित होगा कार्यक्रम सदस्य उ0प्र0 पिछड़ा वर्ग आयोग मेलाराम पंवार करेंगे चॉक वितरण

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशों के क्रम में जिला ग्रामोद्योग अधिकारी एस0एल0 अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित विपणन विकास सहायता एवं प्रचार-प्रसार योजनान्तर्गत माटीकला उत्पादों के उपयोग के प्रति जागरूकता एवं माटीकला उद्यमियों को नवाचार से परिचित कराने हेतु तथा वित्तीय वर्ष-2024-25 में चयनित माटीकला कारीगरों को विद्युत चालित चॉक (निःशुल्क) वितरण करने हेतु

मुख्य अतिथि मा0 सदस्य उ0प्र0 पिछड़ा वर्ग आयोग मेलाराम पंवार की अध्यक्षता में 06 फरवरी को प्रातः 11.30 बजे खण्ड विकास कार्यालय, बलियाखेडी, चुनेटी फाटक, दिल्ली रोड के प्रांगण में कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने माटीकला से जुड़े उद्यमियों से अपील करते हुए कहा कि जागरूकता कार्यक्रम में उ0प्र0 माटीकला बोर्ड की योजनाओं का लाभ उठाने हेतु रुचि रखने वाले भावी उद्यमी नियत दिनांक एवं समय को कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं।



छत्तीसगढ़ निकाय चुनाव- भाजपा और कांग्रेस के घोषणापत्र में वादों की जंग

जनता को लुभाने की होड़



राजीव खरे । सिटी चीफ (छा) रायपुर, छत्तीसगढ़ में आगामी नगरीय निकाय चुनावों के लिए कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने-अपने घोषणा पत्र जारी किए हैं, जिनमें नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं, संपत्ति कर में छूट, महिलाओं, छात्रों और आर्थिक सुधारों पर विशेष ध्यान दिया गया है। भाजपा ने अपने घोषणा पत्र को ‘अटल विश्वास पत्र’ नाम दिया है, जिसमें 20 प्रमुख वादे किए गए हैं। प्रमुख वादों में नजूल भूमि के साथ सभी पट्टा धारकों को भूमि स्वामित्व दिलाना, 3 लाख पीएम आवास योजना को पूरा करना जिसमें बिजली बिल और समेकित कर (टैक्स) देने वालों को आवास बनाने की पात्रता दी जाना, महिलाओं के नाम पर दर्ज संपत्तियों पर प्रॉपर्टी टैक्स में 25% की छूट दी जाना, हर महीने 7 तारीख से पहले संपत्ति टैक्स जमा करने वालों को 10% की छूट दिलाना, हर नगर निगम में महापौर सम्मान निधि की स्थापना करना, जिसके तहत यूपीएससी मुख्य परीक्षा पास करने वाले उम्मीदवारों को 1 लाख रुपए दिए जाना, स्कूल और कॉलेज में छात्राओं के लिए मुफ्त सैनिटरी पैड की व्यवस्था सुनिश्चित करना एवं सिकल सेल एनीमिया मुक्त प्रदेश के लिए नगर

निगम क्षेत्रों में स्क्रूनिंग केंद्र स्थापित करना हैं। जबकि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में नागरिकों की बुनियादी सुविधाओं, महिलाओं, छात्रों और आर्थिक सुधारों पर जोर दिया है। दुर्ग में पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने राजीव भवन में कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी किया। रायगढ़ में भी कांग्रेस जिलाध्यक्षों और अन्य नेताओं की उपस्थिति में जन घोषणा पत्र प्रस्तुत किया गया। दोनों पार्टियों के घोषणा पत्रों में कई समानताएं हैं, जैसे दोनों ने सड़क, बिजली, पानी, शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं के सुधार पर जोर दिया है। महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं, जैसे संपत्ति कर में छूट और स्वास्थ्य सुविधाएं देने का वादा किया है। साथ ही शिक्षा व युवा प्रोत्साहन के लिये छात्रों के लिए मुफ्त वाई-फाई, यूपीएससी मेंस पास करने पर आर्थिक सहायता, और मुफ्त सैनिटरी पैड जैसी योजनाएं भी अपने घोषणापत्र में रखी हैं। इन घोषणाओं के माध्यम से दोनों पार्टियां नगरीय निकाय चुनावों में मतदाताओं को आकर्षित करने का प्रयास कर रही हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता किस पार्टी के वादों पर विश्वास जताती है और आगामी चुनावों में किसे अपना समर्थन देती है।

भारत का रक्षा बजट देखकर डरे पाकिस्तानी एक्सपर्ट बोले- ‘अखंड भारत बनाने में लगी है सरकार’



डेस्क भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार (1 फरवरी) को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए संसद में बजट पेश किया. इस बार के बजट में केंद्र सरकार ने रक्षा क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी राशि आवंटित की है. भारत ने इस साल के रक्षा खर्च के लिए 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जो बीते साल के 6.21 लाख करोड़ रुपये से कहीं ज्यादा है. वहीं, भारत के इस साल के रक्षा बजट को देखकर पाकिस्तान की नौद उड़ी हुई है. पाकिस्तान के रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के विशाल रक्षा बजट उसकी सैन्य ताकत को और मजबूत करेगा, जो पाकिस्तान के लिए एक सीधा खतरा है. पाकिस्तान के पूर्व सैन्य अधिकारी गुलाम मुस्तफा ने भारत के रक्षा बजट को देखकर बड़ा डर जाहिर किया. उन्होंने कहा, यह भारी भरकम रक्षा बजट नई दिल्ली की भाजपा सरकार की अखंड भारत बनाने की योजना का ही हिस्सा है. उन्होंने आगे कहा, भारत का जो ख्वाब है वो आज के इंडिया की

सीमा तक सीमित नहीं है. जब वो अखंड भारत की बात करता है तो उसमें पाकिस्तान भी शामिल है और उसमें अफगानिस्तान का भी हिस्सा शामिल है. मुस्तफा ने कहा, भारत सिर्फ जमीन पर ही नहीं रुकता, वह समुद्र के पार जाकर इंडोनेशिया और मलेशिया तक पर अपना हक समझता है. वहीं, गुलाम मुस्तफा ने भारत के नौसेना के विस्तार पर हैरानी जताते हुए कहा, आप भारत की नेवल पावर देख लीजिए. इस इलाके में ब्लू वाटर नेवी या तो भारत रखता है या फिर वह चीन के पास है. भारत की नौसेना का विस्तार देखिए, उन्होंने इसे कितना बढ़ाया है. मुस्तफा ने आगे सवाल किया, ‘आखिर भारत को इतनी विशाल नौसेना की क्या जरूरत है? उन्हें दूसरे महाद्वीप पर हमला तो करना नहीं है.’ उन्होंने कहा, भारत का उद्देश्य हिंद महासागर पर अपना नियंत्रण करना है. वहीं, वह अपनी सेना और वायु सेना की ताकत को भी बढ़ा रहा है, ताकि पाकिस्तान जैसी रास्ते की रुकावट को खत्म किया जा सके.

ट्रांसजेंडर खिलाड़ी महिला वर्ग के खेलों में नहीं ले सकेंगी हिस्सा, राष्ट्रपति ट्रंप का आदेश

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द ही एक ऐसे कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं, जिसके बाद ट्रांसजेंडर खिलाड़ी महिला वर्ग के खेलों में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। यह आदेश उन ट्रांसजेडर खिलाड़ियों पर लागू होगा, जो जन्म के समय पुरुष थे और बाद में लिंग परिवर्तन कराकर महिला बन गए। डोनाल्ड ट्रंप जल्द ही इस आदेश पर हस्ताक्षर करने वाले हैं। बीती जनवरी में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद ही डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आदेश में स्पष्ट कर दिया था कि आधिकारिक दस्तावेजों में सिर्फ महिला और पुरुष के तौर पर लोगों की पहचान दर्ज की जाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव अभियान के दौरान भी वादा किया था कि वे पुरुषों को महिलाओं के खेलों से अलग रखेंगे



और अब ताजा आदेश के जरिए वे अपने उस वादे को पूरा करने जा रहे हैं। ट्रंप बुधवार को जिस आदेश पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं, उसके तहत उनका प्रशासन शीर्षक 11 के कानून की व्याख्या करेगा। यह कानून एथलेटिक्स में लैकिंग समानता

को बढ़ाने और खेल परिसरों में यौन उत्पीड़न रोकने के लिए लाया गया था। रिपब्लिकन सांसद नैसी मेस ने ट्रंप के कार्यकारी आदेश की तारीफ करते हुए कहा कि इस आदेश के बाद खेलों में निष्पक्षता बहाल होगी।

प्रेमिका के लिए तीन करोड़ का घर बनवाने वाला चोर गिरफ्तार, दो दशक में बनाई करोड़ों की संपत्ति



कर्नाटक की राजधानी बंगलूरु में 9 जनवरी को हुई 14 लाख रुपये की चोरी के आरोप में एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसके पास से 181 ग्राम सोने के बिस्किट, 33 ग्राम चांदी के गहने और एक बंदूक बरामद की है। आरोपी इतना शातिर है कि कई अभिनेत्रियों से उसके संबंध हैं और पूर्व में उसने चोरी के पैसों से अपनी प्रेमिका के लिए तीन करोड़ रुपये का बंगला भी बनवाया था। पुलिस ने बुधवार को बताया कि सोलापुर का रहने वाला आरोपी पंचाक्षरी स्वामी (37) शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं। जांच में पता चला कि स्वामी पिछले दो दशक से देशभर में चोरी की वारदात को अंजाम दे रहा था। अधिकारी ने बताया कि 2014-15 में स्वामी ने एक अभिनेत्री के साथ समय बिताना शुरू किया और उस पर दिल खोलकर खर्च किया। उन्होंने बताया कि स्वामी ने उस अभिनेत्री के लिए कोलकाता में 3 करोड़ रुपये का एक बंगला बनवाया था। इनता ही नहीं, अभिनेत्री को 22 लाख रुपये का एक एंफेरियम भी भेंट किया था। 2016 में गुजरात में चोरी के दौरान स्वामी पकड़ा गया और उसे छह साल की जेल हो गई। रिहा होने के बाद उसने फिर चोरी करना शुरू कर दिया और महाराष्ट्र पुलिस के हथ्थे चढ़ गया। 2024 में रिहाई के बाद से वह बंगलूरु में रहने लगा था।

नई दिल्ली. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बड़े जोर-शोर से अपने दो बड़े पड़ोसियों कनाडा और मेक्सिको को दंडित करने के ख्याल से 25 फीसदी का भारी भरकम टैरिफ लगाने की घोषणा की थी. ये प्रतिबंध 1 फरवरी से लागू भी हो गया था. लेकिन इस प्रतिबंध के बमुश्किल 24 घंटे ही गुजरे थे कि बड़ी-बड़ी डींग हांकने वाले ट्रंप को पीछे हटना पड़ा.

ट्रंप ने अपने चुनावी वादों के अनुरूप कनाडा, मेक्सिको और यहां तक की चीन पर भी टैरिफ लगा दिया. व्हाइट हाउस से जारी एक बयान में कहा गया, राष्ट्रपति ट्रम्प मैक्सिको, कनाडा और चीन को अवैध प्रवास रोकने तथा जहरीली फेंटेनाइल और अन्य दवाओं के हमारे देश में आने पर रोक लगाने के उनके वादों के प्रति जवाबदेह बनाने के लिए साहसिक कदम उठा रहे हैं.चीन पर तो अमेरिका का 10 परसेंट टैरिफ कायम है लेकिन कनाडा और मेक्सिको से कुछ सामान्य सी कूटनीतिक बातचीत के बाद ट्रंप ने इस फैसले पर रोक लगा दी. मंगलवार को अमेरिकी सरकार ने घोषणा की कि कनाडा और मेक्सिको पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की योजना पर रोक लगा दी गई है और ये रोक 30 दिनों तक लागू होगी. इसके साथ ही टैरिफ वॉर की आशंका से सहमी दुनिया ने राहत की सांस ली. ट्रंप को भी अंदाजा हो गया कि सत्ता से बाहर रहकर चुनावी वादे करना अलग बात है और इस पर अमल करना एक अलग बात.

तो सवाल उठता है कि ट्रंप आखिर नरम क्यों हो गए? दरअसल मेक्सिको और कनाडा दोनों ही अमेरिका के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं. इन तीनों अर्थव्यवस्थाओं की परस्पर जुड़ी प्रकृति का मतलब यह है कि ट्रंप की ओर से कोई कार्रवाई अमेरिका के लिए भी नुकसानदेह हो सकती थी. अगर 2024 में अमेरिका के टॉप ट्रेडिंग पार्टनर की बात करें तो सबसे ऊपर है मेक्सिको, फिर नंबर आता है कनाडा का इसके बाद नंबर है चीन का. इन तीनों देशों के साथ अमेरिका अपने कुल कारोबार का 40 फीसदी से ज्यादा व्यापार करता है. रकम के हिसाब से ये आंकड़ा 2 ट्रिलियन डॉलर है. अल जजीरा की एक रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2024 से नवंबर 2024 तक मेक्सिको के साथ अमेरिका का कुल व्यापार 776 बिलियन डॉलर है. मेक्सिको को अमेरिका का एक्सपोर्ट 309



बिलियन डॉलर है, जबकि इस देश से यूएस का आयात 476 बिलियन डॉलर का है. **मेक्सिको-अमेरिका के बीच मुख्य आयात-निर्यात** अमेरिका मेक्सिको से वाहन और ऑटोमोटिव पार्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल मशीनरी, ईंधन, सब्जियां, बिजली के उपकरण, मशीनरी, कृषि उत्पाद (जैसे एवोकाडो और टमाटर), मेटल, प्लास्टिक, केमिकल, कपड़े और फर्नीचर मंगाता है. अमेरिका द्वारा इन चीजों पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने से ये चीजें अमेरिका में जबर्दस्त महंगी हो जातीं. इसका असर अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ता. अमेरिका से मेक्सिको की मुख्य निर्यात में मशीनरी, बिजली के उपकरण, वाहन और उनके पुर्जें, खनिज ईंधन, और कृषि उत्पाद (जैसे मक्का और सोयाबीन) शामिल हैं. ट्रंप की ओर से 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा के बाद मेक्सिको ने भी 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी थी. साथ ही साथ मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबॉम ने कहा था कि समस्याएं टैरिफ लगाने से हल नहीं होती हैं बल्कि बात करने से चीजें सॉल्व होती हैं. अगर मेक्सिको भी यूएस से होने वाले निर्यात पर टैक्स लगा देता तो इसका असर भी अमेरिकी इकोनॉमी पर पड़ता. क्योंकि टैरिफ लगाने के बाद मेक्सिकन व्यापारियों के लिए अमेरिका से आयात महंगा हो जाता और आयात कम कर देते. फिलहाल ट्रंप ने टैरिफ को टालकर इस समस्या से 30 दिनों के लिए निजात पा ली है.

कनाडा-अमेरिका के बीच मुख्य आयात-निर्यात जनवरी 2024 से नवंबर 2024 तक कनाडा और अमेरिका के बीच कुल व्यापार 700 बिलियन डॉलर का है, कनाडा अमेरिका का दूसरा बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है. इस अवधि के बीच कनाडा को अमेरिका का निर्यात 322 बिलियन डॉलर का था जबकि

आयात 377 बिलियन डॉलर का था. अगर कनाडा से अमेरिका के मुख्य आयात की बात करें तो इसमें पेट्रोलियम प्रोडक्ट, प्राकृतिक गैस, बिजली, यूरैनियम, कार, मशीनरी, धातु, सोना, अनाज बीज शामिल हैं. 2022 में अमेरिका ने कनाडा से 2.15 अरब डॉलर का सोना आयात किया था. ट्रंप की ओर से 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा के बाद ये चीजें अमेरिकी आयातकों को काफी महंगी होने वाली थी. इस वजह से अमेरिकी बाजार में इनका मूल्य बढ़ जाता और अमेरिका में महंगाई बढ़ सकती थी. इन चीजों को ध्यान में रखकर भी ट्रंप ने नरमी बरती और फिलहाल टैरिफ लगाने का प्रस्ताव टाल दिया है. यही नहीं अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अमेरिकी आयात पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी. इससे भी अमेरिका का व्यापार प्रभावित होता क्योंकि इस फैसले के वजह से कनाडाई आयातकों के लिए अमेरिकी प्रोडक्ट महंगे हो जाते और वे अमेरिका से आयात बंद कर सकते थे. अथवा कम कर सकते थे. अब ट्रंप ने इस टैरिफ को मुतलवी कर दिया है. ट्रंप के फैसले पर राहत जताते हुए अमेरिकी कारोबारी संगठन ऑटो केयर एसोसिएशन के अध्यक्ष और सीईओ बिल हैनवी ने बीबीसी को कहा कि ऑटो इंडस्ट्री इस रोक से राहत महसूस कर रही है, लेकिन वह अस्थिर स्थितियों के प्रति सतर्क भी है. उन्होंने अमेरिका की ऑटो मैन्युफैक्चरिंग को ‘वैधिक उद्योग’ के तौर पर परिभाषित करते हुए कहा कि अमेरिकी डिस्ट्रिब्यूटर्स कार के पार्ट्स बनाने के लिए दूसरे क्षेत्रों की ओर नहीं देख रहे हैं. इस फैसले के बाद ट्रंप ने दूरूथ सोशल पर लिखा, **क्रम** मैं शुरूआती नतीजों से बहुत खुश हूं और शनिवार को जिन टैरिफ का एलान किया गया था, उनपर अब

ब्रिटेन और अमेरिका से आता है. रेमिटेंस के मामले में यूआई दूसरे नंबर पर है अक्टूबर 2024 में आई एक रिपोर्ट में बताया गया कि यूआई से भेजे जाने वाले रेमिटेंस में बढ़ोतरी हो रही है. अगस्त के 53.84 करोड़ डॉलर से बढ़कर यह 56.03 करोड़ डॉलर हो गया. सितंबर 2023 के 39.98 करोड़ डॉलर रेमिटेंस से तुलना करें तो यूआई से रेमिटेंस में 40ब का भारी उछाल है. यूआई में अकुशल श्रमिकों को 1,000 दिरहम (75,918 पाकिस्तानी रुपये) या इससे थोड़ा ज्यादा मासिक वेतन मिलता है. वहीं, अगर कोई हाई स्किल्ड है और डिमांड वाली नौकरी कर रहा है तो उसे 20,000 दिरहम (15,18,377 पाकिस्तानी रुपये) या इससे अधिक सैलरी मिल जाती है.

कनाडा और मेक्सिको पर टैरिफ मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने क्यों मारी पलटी

30 दिन की रोक रहेगी. इस दौरान ये देखा जाएगा कि कनाडा के साथ एक आर्थिक सौदे को अंतिम रूप दिया जा सकता है या नहीं.

कनाडा-मेक्सिको ने ट्रंप की चिंताओं को दूर करने का दिया भरोसा कनाडा-मेक्सिको के प्रति नरमी की एक वजह सिर्फ आर्थिक नुकसान का आकलन ही नहीं है. बल्कि ट्रंप के रख को भांपते हुए ट्रंप की चिंताओं को दूर करते हुए अवैध घुसपैठ पर रोक लगाने की बात भी कही.

ट्रंप की चिंता कनाडा की सीमा से हो रहे फेंटानिल ड्रग तस्करी को लेकर थी. जिससे अमेरिकी तेजी से नशे की जद में आ रहे थे. कनाडा ने अब कहा है कि वह सीमा से फेंटानिल ड्रग की तस्करी पर रोक लगाने के प्रयासों की निगरानी के लिए एक अधिकारी नियुक्त करेगा. ट्रूडो ने एक्स पर कहा कि कनाडा अपनी सीमा योजना पर 1.3 अरब डॉलर खर्च करेगा. इन पैसों से नए चॉपर खरीदे जाएंगे और इसे तकनीकी और सीमा पर सैनिकों की तैनाती में खर्च किया जाएगा. उन्होंने वादा किया कि फेंटानिल की बढ़ती तस्करी को भी रोक जाएगा. सीमा पर 24 घंटे सतत दिन नजर रखने के लिए कनाडा-यूएस ज्वाइंट स्ट्राइक फोर्स लॉन्च की जाएगी, जिसका काम संगठित अपराध, फेंटानिल की तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग से निपटना होगा. ऐसा ही वादा ट्रंप के सामने मेक्सिको ने भी किया. मेक्सिको ने कहा कि ट्रंप के साथ हुए समझौते के तहत वह सीमा पर अपने 10 हजार सैनिकों को भेजने के लिए राजी हो गया है. ये सैनिक तय करेंगे कि इस बॉर्डर से अमेरिका में अवैध घुसपैठ न हो. दरअसल अमेरिका की ऑटो उद्योग, कृषि और विनिर्माण क्षेत्र, के अलावा दूसरे उद्योग भी कनाडा-मेक्सिको के साथ त्रिकोणीय संबंध पर बहुत अधिक निर्भर हैं. इस परस्पर निर्भरता को पहचानते हुए, ट्रम्प ने अमेरिकी आर्थिक हितों की रक्षा के लिए अपनी बयानबाजी और एक्शन को संयमित किया. अमेरिका द्वारा इन तीनों देशों पर किसी भी तरह की रोक उसके आधे बिजनेस पर ही असर डाल सकता था. हालांकि टैरिफ लगाने से पहले ट्रंप प्रशासन को इसका आकलन था, लेकिन ट्रंप अवैध घुसपैठ से इतने खफा थे कि वे इस दर्द को झेलने के लिए तैयार हैं, ताकि अमेरिका को फिर से ग्रेट बनाया जा सके.

